दैनिक **कीर्तिप्रभा** खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 141 पृष्ठ 12, रीवा

मंगलवार 10 फरवरी 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

बिहार विधानसभा में हंगामा......पप्पू यादव की गिरफ्तारी और नीट छात्रा की मौत पर विपक्ष हमलावार

पटना, बिहार विधानसभा का बजट सत्र राजनीतिक उथल-पुथल के बीच जारी है। सोमवार को पांचवें दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्षी दलों ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी और नीट छात्रा की मौत को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा पोर्टिको में नीतिश सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर आरोप लगाया हैं कि नीतिश सरकार लोकतंत्र को दबाने का प्रयास कर रही है। चनपटिया के कांग्रेस विधायक अभिषेक रंजन ने विरोध प्रदर्शन के दौरान च्आज जेल होई, कल बेल होई, परसो से वही खेल होईज् लिखी टी-शर्ट पहनकर अपना संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध है और कांग्रेस उनके साथ है। नीट छात्रा की मौत के मामले में भी नीतिश सरकार की संवेदनहीनता पर विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस विधायक कमरुल होदा ने कहा कि बिहार में लोकतंत्र नहीं, बल्कि राजतंत्र चल रहा है, और जो भी सरकार से सवाल पूछता है, उसकी आवाज दबाने की कोशिश की जाती है। विपक्ष ने संकेत दिया कि यह मुद्दा सदन में भी जोर-शोर से उठाया जाएगा। इस बीच विधानसभा में बजट 2026-27 पर चर्चा शुरू हुई और वित्तीय वर्ष 2025-26 का तीसरा सप्लीमेंट्री बजट सदन में पेश किया गया। पहले के दिन भी सदन में गर्मागर्मी देखने को मिली थी। स्वास्थ्य मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी के बयान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बीच बहस ने सदन का तापमान बढ़ा दिया था।

कोर्ट रुम में जज के सामने वकील की पिटाई, गुस्साएं सीजेआई ने कहा.......... गुंडा राज स्वीकार्य नहीं

वकील का आरोप दिल्ली पुलिस कार्रवाई करने से डर रही

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की बेंच में सोमवार सुबह एक वकील शिकायत लेकर पहुंचा कि मुझे दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में अंदर जज के सामने पीटा गया है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि गुंडा राज स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने पहले पीड़ित वकील को दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के पास जाने का कहकर शिकायत की एक कॉपी उन्हें भी देने के निर्देश दिए। वकील का दावा है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने से दिल्ली पुलिस बच रही है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन वी अंजारिया की बेंच के सामने उस वकील ने घटना का जिक्र कर बताया कि वह तीस हजारी कोर्ट में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज हरजीत सिंह पाल की अदालत में एक आरोपी की ओर से पेश हो रहे थे। तभी शिकायतकर्ता के वकील कई गुंडों के साथ कोर्ट रूम में घुसे और जज के सामने ही उन्हें और अन्य आरोपियों को पीट दिया।

पीड़ित वकील ने बताया कि हमलावरों ने कोर्ट रूम का दरवाजा अंदर से बंद किया था और जज की मौजूदगी में हिंसा को अंजाम दिया। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने उस वकील से पूछा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने लिखित शिकायत के बजाए, उनके पास जुबानी शिकायत लेकर क्यों आए हैं। उन्होंने कहा, क्या आपने इस मामले को दिल्ली हाई कोर्ट के माननीय चीफ जस्टिस के संज्ञान में लाया है? दिल्ली जुडिशरी के प्रमुख के सामने यह मामला दर्ज क्यों नहीं किया?

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि आप इस घटना को मेरे सामने उठा रहे हैं, ताकि मीडिया उठा सके? इसपर वकील ने कहा कि पुलिस कोई कार्रवाई करने से डर रही है और वे सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के मेंबर के रूप में सीजेआई के सामने यह बात रख रहे हैं। इसपर सीजेआई ने उनसे कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने लिखित शिकायत दर्ज करें और उसकी एक कॉपी उन्हें भी दे।

राम मंदिर को निशाना बनाने वाले आंतकी रहमान की जेल में मौत

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद जिले की नीमका जेल में झगड़े के दौरान मारा गया आतंकी अब्दुल रहमान राम मंदिर को निशाना बनाने का लक्ष्य लेकर पाली आया था। दो मार्च 2025 को आंतकी रहमान को गुजरात और पलवल एसटीएफ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पकड़ा गया था। वह अपने हैंडलर से टेलीग्राम एप के जरिए संपर्क में था।

कर्नाटक में दो अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, 3 एक ही परिवार के

बेंगलुरु, कर्नाटक के बीदर और कोलार जिलों में दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि बीदर जिले के हमनाबाद तालुक में हल्लीखेडा के पास नागत्रा चौराहे के पवास रविवार को एक बाइक के पुल से टकरा जाने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

देह व्यापार के अड्डे पर छापेमारी, पांच नाबालिगों सहित 11 लड़कियों को कराया मुक्त

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के डाबड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत द्वारका इलाके में पुलिस ने एक संगठित देह व्यापार और मानव तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस साहसिक कार्रवाई में पुलिस ने 11 युवतियों को नरक जैसी स्थिति से मुक्त कराया, जिनमे पांच नाबालिग बच्चियां भी शामिल है।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस मुठभेड़, शातिर बदमाश घायल

गौतमबुद्धनगर ग्रेटर नोएडा के थाना इकोटेक-3 क्षेत्र में पुलिस और एक शातिर अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई मे बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बदमाश की पहचान संजीव उर्फ सनी उर्फ रौकी उर्फ मौत पुत्र अशोक, निवासी ग्राम तिलोटी, थाना सासनी, जिला हाथरस के रूप में हुई है।

राम मंदिर को निशाना बनाने वाले आंतकी रहमान की जेल में मौत

फरीदाबाद,। हरियाणा के फरीदाबाद जिले की नीमका जेल मे झगड़े के दौरान मारा गया आतंकी अब्दुल रहमान राम मंदिर को निशाना बनाने का लक्ष्य लेकर पाली आया था। दो मार्च 2025 को आंतकी रहमान को गुजरात और पलवल एसटीएफ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पकड़ा गया

मणिपुर में फिर हिंसा, सशस्त्र उग्रवादियों ने कई मकानों में लगाई आग, कर्फ्यू लागू

यह हिंसा तंगखुल नगा समुदाय के एक व्यक्ति पर हमले के बाद भड़की

इंफाल, मणिपुर के उखरुल जिले में एक बार फिर हिंसा का तांडव देखने को मिला। रविवार रात सशस्त्र उग्रवादियों ने लिटान सारेइखोंग क्षेत्र में कई मकानों में आग लगा दी। यह हिंसा तंगखुल नगा समुदाय के एक व्यक्ति पर हुए हमले के बाद उपजे तनाव का परिणाम बताई जा रही है। प्रशासन ने स्थिति को अनियंत्रित होते देख जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिसके कारण प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि देर रात के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कुकी उग्रवादियों ने आग लगा दी। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लितान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है।

रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है और स्थिति तनावपूर्ण है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो फुटेज में हथियारबंद लोग गांव में मकानों और वाहनों को आग लगाते और उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों से हवा में फायरर करते दिखाई दे रहे हैं। हमारी संस्था इस वीडियो क्लिप की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करते हैं। अधिकारी ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही को रोकने के लिए महादेव, लंबुई और शांगकाई और लिटान की ओर जाने वाले अन्य क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

उन्होंने बताया कि रविवार शाम को सुरक्षा बलों ने लिटान सारेइखोंग गांव में आपस में भिड़े दो आदिवासी समूहों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। उखरुल जिले के मजिस्ट्रेट द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के सदस्यों के बीच तनाव के कारण गांव में शांति और व्यवस्था भंग होने की आशंका है।

राहुल गांधी को बोलने नहीं देने पर विपक्ष ने किया जबरदस्त विरोध

नई दिल्ली, । संसद के बजट सत्र के नौवें दिन मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही भारी हंगामे के बीच महज 13 मिनट ही चल सकी। विपक्ष ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने का मौका न दिए जाने का मुद्दा उठाया, जिसके बाद सदन में शोरगुल बढ़ गया और कार्यवाही पहले 12 बजे तक के लिए, फिर 2 बजे तक के लिए और फिर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इससे पहले लोकसभा में राहुल गांधी ने आसंदी की ओर इशारा करते हुए कहा कि सत्र शुरू होने से करीब एक घंटे पहले विपक्षी नेता स्पीकर के कक्ष में गए थे। राहुल का दावा था, कि स्पीकर ने उन्हें बजट पर चर्चा से पहले बोलने का आश्वासन दिया था। राहुल गांधी ने कहा, स्पीकर ने कमिट किया था कि मुझे बोलने दिया जाएगा, लेकिन अब आप मुझे बोलने नहीं दे रही हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या मुझे बोलने दिया जाएगा या नहीं। दोपहर तीन बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, उस समय लोकसभा अध्यक्ष की आसंदी पर भाजपा सांसद संध्या राय बैठी थीं।

रिजिजू बोले- कोई कमिटमेंट नहीं किया

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार करते हुए कहा, कि वह स्वयं स्पीकर के कक्ष में मौजूद थे और वहां किसी तरह का कोई कमिटमेंट नहीं किया गया था। रिजिजू ने कहा कि स्पीकर की ओर से राहुल गांधी को बोलने को लेकर कोई आश्वासन नहीं दिया गया है।

इस पर संध्या राय ने राहुल गांधी से कहा कि उनकी ओर से किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा के लिए कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि राहुल गांधी बजट पर चर्चा करना चाहते हैं, तो उन्हें नियमों के अनुसार अपनी बात रखनी चाहिए।

इस जवाब से असंतुष्ट होने के बाद विपक्षी सांसदों ने सदन में जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष का आरोप था कि जानबूझकर नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोका जा रहा है।

25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ हटाकर ट्रंप ने...... एक सख्त निगरानी तंत्र भारत पर लागू किया

एक जियो रणनीतिकार ने इसे लेकर भारत सरकार को चेताया

नई दिल्ली, । रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर लगे 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ हट गए हैं। अंतरिम व?यापार समझौते के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आदेश जारी किए हैं। इसमें भारत को तत्काल यह राहत दी गई है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस राहत से कहीं ज?यादा महत्वपूर्ण वहां सख्त निगरानी तंत्र है जो इसके साथ आया है। एक जियो रणनीतिकार ने इस लेकर पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में उन?होंने कहा कि यह आदेश अमेरिकी वाणिज्य मंत्री को भारत के तेल स्रोत को ट्रैक करने का काम सौंपता है। इससे एक?शन के लिए एक साफ ट्रिगर बनता है। ट्रंप के ऑर्डर सशर्त हैं। इसका मतलब है कि शर्त टूटने पर 25 प्रतिशत टैरिफ की वापसी हो सकती हैं।

जानकार ने लिखा, रूसी तेल पर ट्रंप के कार्यकारी आदेश में असली चुभन इसके निगरानी जनादेश में निहित है। यह औपचारिक रूप से वाणिज्य मंत्री को भारतीय तेल आयात पर नजर रखने का काम सौंपता है जो स्पष्ट ट्रिगर बनाता है। यह पता चलने पर कि भारत ने सीधे या परोक्ष रूप से रूसी तेल का आयात फिर से शुरू कर दिया है, 25 प्रतिशत अतिरिक?त (दंडात्मक) टैरिफ वापस लागू हो सकता है।जानकार ने चेतावनी दी कि अप्रत्यक्ष रूप से शब्द का समावेश प्रवर्तन के दायरे को काफी हद तक बढ़ा देता है। जानकार ने बताया कि रियायती रूसी यूराल क्रूड को बाजार-मूल्य वाले अमेरिकी तेल से बदलना भारत के तेल आयात बिल में सालाना 4 अरब डॉलर तक की बढ़ोतरी कर सकता है।

यूपी विधानसभा सत्र शुरू, विपक्ष ने हाथों में तख्तियां लेकर किया विरोध लगाए नारे

अध्यक्ष महाना ने कहा- सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर दिया जाएगा

लखनऊ,। यूपी विधानसभा सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। विधान मंडल का बजट सत्र राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के अभिभाषण के शुरू हुआ। वहीं, सपा ने विरोध प्रदर्शन किया। सपा विधायकों ने विधानसभा के मुख्य द्वार के बाहर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने धरना प्रदर्शन किया। विधायक हाथों में तख्तियां लेकर विधानसभा पहुंचे और जमकर सरकार विरोधी नारे लगाए। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना 11 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगे। इसके बाद राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी। 13 फरवरी तक सदन की कार्यवाही नियमित तौर पर चलेगी। शनिवार व रविवार को सदन की बैठक स्थगित रहेगी।

वहीं सोमवार 16 फरवरी से सदन की कार्यवाही फिर शुरू होगी। सदन की कार्यवाही 20 फरवरी तक प्रस्तावित है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी सदस्यों से कार्यवाही के सुचारू रुप से चलने अनुरोध किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी सदस्यों से जनता के मुद्दों को सदन में रखने और सार्थक चर्चा करके प्रदेश के विकास को गति देने के लिए सरकार का सहयोग करने का आग्रह किया है। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दलीय नेताओं की बैठक में कहा है कि सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर देर शाम तक सदन की कार्यवाही चलाई जाएगी, ताकि प्रत्येक सदस्य को अपनी बात रखने का अवसर मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पूर्व के इतिहास पर दृष्टि डालें तो विगत चार सालों में इस विधानसभा में सर्वाधिक चर्चा हुई है।

चंद्रयान-4ः इसरो को मिली बड़ी कामयाबी, खोज ली गई लैंडिंग की सुरक्षित जगह

श्रीहरिकोटा(ईएमएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने अगले और अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण चंद्र मिशन चंद्रयान-4 की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो के स्पेस ऐप्लिकेशन सेंटर (एसएसी) ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उस सटीक स्थान की पहचान कर ली है, जहां चंद्रयान-4 को उतारा जाएगा। यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चंद्रयान-4 भारत का पहला रिटर्न मिशन होगा, जिसका लक्ष्य न केवल चांद पर उतरना है, बल्कि वहां से नमूने लेकर सुरक्षित धरती पर वापस लौटना भी है।

वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर द्वारा भेजी गई हाई-रिजोल्यूशन तस्वीरों का गहन विश्लेषण करने के बाद चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लगभग 1 वर्ग किलोमीटर के एक सुरक्षित क्षेत्र का चयन किया है। इस अध्ययन को वैज्ञानिकों की एक विशेष टीम ने अंजाम दिया है, जिन्होंने लैंडिंग के लिए चार संभावित स्थलों की समीक्षा की थी। जांच के बाद एमएम-4 नामक स्थान को सबसे उपयुक्त पाया गया है। मिशन की चुनौतियां और विशेषताएं चंद्रयान-4 मिशन तकनीक और जटिलता के मामले में पिछले मिशनों से काफी आगे है। इस मिशन में प्रोपल्सन मॉड्यूल के साथ-साथ डिसेंडर और असेंडर मॉड्यूल शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसफर मॉड्यूल और रीएंट्री मॉड्यूल भी इस मिशन का हिस्सा होंगे। मिशन का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा की सतह से मिट्टी और पत्थरों के नमूने एकत्र करना और उन्हें सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लाना है। यदि भारत इस मिशन में सफल रहता है, तो यह भविष्य के मानवयुक्त चंद्र मिशनों (गगनयान के अगले चरण) के लिए मील का पत्थर साबित होगा।लैंडिंग साइट की खासियत चुनी गई लैंडिंग साइट नॉबिस माउंटेन पहाड़ी के पास स्थित है। पहाड़ी क्षेत्र के करीब होने के बावजूद, यह पैच काफी समतल है, जिससे लैंडर को नुकसान पहुंचने का खतरा न्यूनतम है। इस जगह की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां सूर्य की रोशनी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहती है, जो सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों के लिए अनिवार्य है। साथ ही, यहां बड़े गड्ढों का अभाव है, जिससे रोवर को सतह पर चलने में आसानी होगी। यह क्षेत्र चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल शिव-शक्ति पॉइंट से अधिक दूर नहीं है।

स्कूलां विच आज धमाका, आज शहीद अफजल गुरु याद विच, बम ब्लास्ट होवेगा

दिल्ली में स्कूलों को उड़ाने की मिली धमकी, 13 को संसद उड़ाने का आया ईमेल

नई दिल्ली, दिल्ली में फिर स्कूलों में बम धमाके की धमकियों से हड़कंप मचा गया। पहले की तरह जांच में कुछ संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। हालांकि इस बार स्कूलों के साथ संसद में भी धमाके की धमकी दी गई है। धमकी भेजने वाले ने स्कूलों और संसद में धमाके के लिए 9 और 13 तारीख का जिक्र किया है। 2001 में संसद पर हमले की वजह से फांसी पर चढ़ाए गए आतंकवादी अफजल गुरु की याद में ही धमाकों की धमकी दी है। पुलिस जांच में जुटी है कि ईमेल को किसने और किस मकसद से भेजा है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक धमकी भेजने वाले ने ईमेल में कहा था कि स्कूलों में सोमवार को 1ः11 बजे धमाका होगा। उसने लिखा है, दिल्ली बनेगा खालिस्तान। आज शहीद अफजल गुरु याद विच, बम ब्लास्ट होवेगा, स्कूलां विच आज धमाका। सुबह करीब साढ़े 8 बजे भेजे गए इन ईमेल्स में 9 फरवरी का जिक्र होना इसलिए अहम है क्योंकि इसी दिन 2013 में अफजल गुरु को फांसी दी गई थी।

पंजाब नेशनल बैंक ने पांच साल की एफडी पर बढ़ाया रिटर्न

मुंबई । हाल ही में रिजर्व बैंक की ब्याज दरों में कमी के बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) दरों को अपडेट किया है। बैंक अब 7 दिन से लेकर 10 साल तक की एफडी सुविधा देता है। ब्याज दरें फिलहाल 3 फीसदी से शुरू होकर 7.2 फीसदी तक हैं। लंबी अवधि के निवेश के लिए 5 साल वाली एफडी उपयुक्त मानी जा रही है। आम नागरिकों को 6.10 फीसदी की दर पर 2 लाख निवेश करने पर मैच्योरिटी पर 2,70,701 रुपए मिलेंगे।

पर्पल फाइनेंस इक्विटी वारंट से जुटाएगी 69.30 करोड़

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर्पल फाइनेंस ने हाल ही में हुई निदेशक मंडल की बैठक में 1.26 करोड़ इक्विटी वारंट जारी करने का निर्णय लिया। प्रत्येक वारंट की कीमत 55 रुपये रखी गई है, जिससे कंपनी को कुल 69.30 करोड़ रुपये जुटाने की संभावना है। यह प्रक्रिया नियामकीय अनुमोदन पर निर्भर करेगी। कंपनी ने कहा कि मौजूदा और नए निवेशकों की भागीदारी उसके कारोबारी मॉडल, प्रशासनिक ढांचे और दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति में भरोसा दर्शाती है।

सीबीडीटी ने मसौदा आयकर नियम और फॉर्म सार्वजनिक किए

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम, 2025 के लागू होने से पहले मसौदा नियम और फॉर्म सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए हैं। यह अधिनियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा। सरकार के अनुसार हितधारक 22 फरवरी तक ई-फाइलिंग पोर्टल पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। मसौदा नियमों में अनुपालन का बोझ काफी कम किया गया है। नियमों की संख्या 511 से घटाकर 333, जबकि फॉर्मों की संख्या 399 से घटाकर 190 की गई है।

टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग होगी जल्द

नई दिल्ली। भारत में टेक्नो कंपनी ने अपने नए स्टाइलिश हैंडसेट टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग जल्द होने वाली है। कंपनी ने एक्स पर घोषणा करते हुए बताया कि नया पोवा कर्व 2 भारत में 13 फरवरी दोपहर 12 बजे पेश किया जाएगा। यह मॉडल पिछले साल मई 2025 में लॉन्च हुए पोवा कर्व 2 5जी का अपग्रेडेड वर्जन है।

करीब 40 प्रतिशत से एंड्राएड स्मार्टफोन गंभीर साइबर जोखिम में

नई दिल्ली। दुनिया भर के करीब 40 प्रतिशत से अधिक एंड्राएड स्मार्टफोन अब गंभीर साइबर जोखिम में हैं। गूगल ने एंड्राएड उपयोगकर्ताओं के लिए यह महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। कंपनी के अनुसार, एंड्राएड 12 या उससे पुराने वर्जन पर चलने वाली डिवाइसों को सुरक्षा अपडेट मिलना बंद हो गया है.।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुए । सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये साझा बयान से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक उछलकर 25,867.30 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक, रियल्टी, इंडिया डिफेंस, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर के साथ करीब सभी शेयर लाभ के साथ ही उछलकर बंद हुए। सेंसेक्स पैक के शेयरों में एसबीआई, टाइटन, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, इंडिगो, एमएंडएम, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, आईटीसी, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये बयान से भी बाजार में उत्साह का माहौल है जिससे भी घरेलू बाजार उछला। भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के 50 प्रतिशत से कम होकर 18 फीसदी होने से भी निवेशकों ने जमकर खरीदारी की । आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 938.45 अंक बढ़कर 60,441.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 447.25 अंक बढ़कर 17,385.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार ने जोरदार तेजी के साथ सप्ताह की शुरुआत की। सेंसेक्स करीब 418 अंकों की तेजी के साथ 83,999 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी 50 लगभग 123 अंकों की बढ़त के साथ 25,816 के आसपास खुला। निफ्टी ने 25,922 का इंट्रा-डे हाई भी छुआ, जिससे बाजार में मजबूती का संकेत मिला। वहीं एशियाई बाजारों में मजबूती, आई। जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजारों की तेजी से भी भारतीय बाजार उछला। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में आई मजबूत तेजी के असर से भी भारतीय बाजार को बढ़त मिली।

रुपया 21 तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.71 पर बंद हुआ। आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 90.44 पर पहुंच गया। शुक्रवार को यह 90.65 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा बाजार में शुरुआती कमजोरी के बाद रुपये ने तेजी दिखायी। रुपए की मजबूती के पीछे सबसे बड़ा कारण भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार होना है।

भारत-अमेरिका ऊर्जा व्यापार, दोस्ती के बावजूद त्वरित लाभ की राह कठिन

- अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेज़ वृद्धि करना भारत के लिए आसान नहीं होगा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं में बढ़ती नज़दीकी को लेकर सरकार उत्साह जता रही है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में इससे तत्काल और ठोस लाभ मिलने की संभावना सीमित दिखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेज वृद्धि करना भारत के लिए आसान नहीं होगा। वर्तमान में भारत अमेरिका से कच्चा तेल, एलएनजी, एलपीजी और कोकिंग कोल सहित सालाना 12 अरब डॉलर से अधिक का आयात करता है। हालांकि, माल ढुलाई की ऊंची लागत, कच्चे तेल की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय कीमतें और लंबी समुद्री यात्रा इस व्यापार को महंगा बनाती हैं। अमेरिका से तेल आने में 32 से 40 दिन लगते हैं, जबकि पहले यह अवधि 25 से 30 दिन की थी। नॉर्वे स्थित ऊर्जा अनुसंधान फर्म रायस्टैड एनर्जी के अनुसार रूस द्वारा दिए जा रहे भारी डिस्काउंट के मुकाबले अमेरिकी कच्चा तेल भारत को प्रति बैरल 12ड्ड15 डॉलर तक महंगा पड़ सकता है। इसके अलावा रूसी यूराल और अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल की गुणवत्ता में बड़ा अंतर है।

यूराल अधिक भारी और सल्फर युक्त है, जबकि डब्ल्यूटीआई हल्का है, जिससे दोनों को सीधे विकल्प के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस की जगह अमेरिकी कच्चा तेल लेने से भारत की रिफाइनरियों की लगभग 25 प्रतिशत क्षमता प्रभावित हो सकती है, क्योंकि उनकी संरचना भारी कच्चे तेल के अनुरूप है। भू-राजनीतिक जटिलताएं भी इस बदलाव को और कठिन बनाती हैं। भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की मंशा जताई है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने को लेकर कोई स्पष्ट खाका अभी सामने नहीं आया है।

ऐसे में अमेरिका से ऊर्जा आयात बढ़ाने की राह फिलहाल चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

सोना और चांदी में हफ्ते की जोरदार शुरुआत

- सोने का भाव 549 रुपए तेज, चांदी भी 9752 रुपए उछली

नई दिल्ली। इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोना और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में मजबूती देखने को मिल रही है। सोमवार को घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव करीब 1,58,000 रुपये, जबकि चांदी के वायदा भाव लगभग 2,62,750 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 549 रुपये की तेजी के साथ 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,55,451 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने का भाव 2,500 रुपये की बढ़त के साथ 1,57,951 रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान सोने ने दिन का उच्च स्तर 1,58,500 रुपये और निचला स्तर 1,55,546 रुपये छू लिया। बीते महीने सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी देखने को मिली।

एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रैक्ट 9,752 रुपये की बढ़त के साथ 2,59,887 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,49,892 रुपये था। इस समय चांदी का भाव 12,847 रुपये की तेजी के साथ 2,62,739 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान चांदी ने 2,64,885 रुपये का उच्च और 2,59,887 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलो रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं में मजबूती बनी हुई है। कॉमेक्स पर सोना 5,003.60 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 60.50 डॉलर की तेजी के साथ 5,040.30 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है।

मर्सडीज बेंझ की नई वी-क्लास एमपीवी 3 मार्च को होगी लांच

नई दिल्ली। भारत में लग्जरी कार निर्माता कंपनी मर्सडीज बेंझ अपनी नई जनरेशन वी-क्लास लग्जरी एमपीवी को 3 मार्च को लॉन्च करने जा रही है। कंपनी ने फिलहाल इसे एक्सक्लूसिव और एएमजी लाइन ट्रिम में पेश करने की तैयारी की है। यह इसका सेकेंड-जेनरेशन मॉडल होगा, जिसे पहले से ज्यादा लग्जरी, आधुनिक फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। नई वी-क्लास का एक्सटीरियर पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक है।

इसमें लेटेस्ट मर्सिडीज ग्रिल, स्लाइडिंग सेकेंड-रो डोर, डायमंड-कट अलॉय वील और बड़े साइज का रियर ग्लास मिलता है। पीछे वर्टिकल टेल लैंप दिए गए हैं, जो इसे एक मॉडर्न और स्टाइलिश अपील देते हैं। इंटीरियर में ड्यूल डिजिटल डिस्प्ले, तीन-स्पोक स्टीयरिंग वील और फ्लोटिंग सेंटर कंसोल जैसी प्रीमियम सुविधाएं शामिल हैं।

सीटिंग लेआउट काफी लग्जरी है और इसमें हाई-एंड कम्फर्ट फीचर्स की उम्मीद की जा रही है। भारत में नई वी-क्लास केवल वी220स्र इंजन ऑप्शन में आ सकती है। इसमें 2.0-लीटर 4-सिलिंडर डीजल इंजन मिलेगा, जो 158बीएचपी पावर और 380 एनएम टॉर्क जनरेट करेगा। इंजन के साथ 9-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दिया जाएगा। लग्जरी एमपीवी सेगमेंट में बढ़ती मांग को देखते हुए मर्सिडीज की यह पेशकश खासतौर पर बॉलीवुड और पॉलिटिक्स से जुड़े हाई-प्रोफाइल यूजर्स को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसकी कीमत भारत में 1 से 1.5 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। इसका व्हीलबेस 3200एमएम है, जबकि एक्स्ट्रा-लॉन्ग वर्जन 3430एमएम व्हीलबेस के साथ आता है। यह 7-सीटर और 6-सीटर मार्को पोलो एडिशन में उपलब्ध है। नए मॉडल में कंपनी इलेक्ट्रिक अडजस्टमेंट, वेंटिलेशन और मसाज फीचर वाली फ्रंट-फेसिंग फर्स्ट-क्लास सीटें भी ऑफर कर सकती है। इंटरनेशनल मार्केट में वी-क्लास 2.0-लीटर डीजल इंजन के दो ट्यूनिंग विकल्प 220डी(163एचपी/380एनएम) और 300डी (237एचपी/500एनएम) के साथ उपलब्ध है। दोनों इंजन 9-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स और रियर-व्हील ड्राइव के अलावा ऑल-व्हील ड्राइव ऑप्शन भी ऑफर करते हैं।

मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा की बिक्री में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली। नए साल 2026 की शुरुआत मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा दोनों मॉडलों के लिए खासतौर पर शानदार रही। बीते महीने जनवरी में डिजायर की 19,629 यूनिट और ऑरा की 7,978 यूनिट की बिक्री हुई, जो पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में बड़ी बढ़ोतरी है। जनवरी 2025 में डिजायर की 15,383 यूनिट और ऑरा की 5,388 यूनिट बिकी थीं। पिछले महीनों में भी डिजायर और ऑरा ने शानदार प्रदर्शन किया। जुलाई 2025 में डिजायर की 20,895 यूनिट और ऑरा की 4,636 यूनिट बिकीं। अगस्त 2025 में डिजायर ने 16,509 यूनिट और ऑरा ने 5,336 यूनिट की बिक्री दर्ज की। सितंबर 2025 में डिजायर की 20,038 यूनिट, जबकि ऑरा की 5,387 यूनिट बिकीं। अक्टूबर 2025 में यह आंकड़े क्रमशः 20,791 और 5,815 रहे। नवंबर 2025 में डिजायर की 21,082 यूनिट और ऑरा की 5,731 यूनिट बिकीं, जबकि दिसंबर 2025 में डिजायर 19,072 और ऑरा 4,925 यूनिट पर दर्ज हुई। मारुति डिजायर अपने अपडेटेड डिजाइन, एलईडी हेडलाइट्स, स्टाइलिश ग्रिल, वाय-आकार की एलईडी टेललाइट्स और बूट स्पॉइलर की वजह से काफी लोकप्रिय है। इंटीरियर में बेज-ब्लैक थीम, 9-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो/एप्पल कारप्ले, क्रूज कंट्रोल, सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर शामिल हैं। इसमें स्विफ्ट वाला 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 80 बीएचपी पावर और 112 एनएम टॉर्क देता है। सीएनजी वर्जन का माइलेज 33.73 किमी/किग्रा है। कीमत 6.25 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। हुंडई ऑरा में 1.2-लीटर कप्पा पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 83 पीएस पॉवर और 113.8 एनएम टॉर्क देता है। इसका सीएनजी वर्जन 28 किमी/किग्रा माइलेज देता है। इसमें 8-इंच टचस्क्रीन, क्रूज कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, एलईडी डीआरएलएस और 30 से ज़्यादा सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

जल्द लॉन्च होगा ट्रंप मोबाइल टी-1

अमेरिका में नहीं विदेश में होगा प्रोडक्शन

-अमेरिका में सिर्फ इसके कुछ चुनिंदा पार्ट्स की फाइनल असेंबली की जाएगी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी ट्रंप मोबाइल का टी1 स्मार्टफोन जल्द लॉन्च हो सकता है, लेकिन यह अमेरिका में नहीं बनेगा। पहले दावा किया जा रहा था कि टी1 स्मार्टफोन मेड इन अमेरिका होगा, लेकिन अब कंपनी के अधिकारियों ने खुद इसकी पुष्टि कर दी है कि फोन का निर्माण अमेरिका में नहीं किया जाएगा। ट्रंप मोबाइल के सीनियर एग्जीक्यूटिव्स डॉन हेंड्रिक्सन और एरिक थॉमस ने एक इंटरव्यू में बताया कि टी1 फोन का ज्यादातर प्रोडक्शन विदेश में होगा। अमेरिका में सिर्फ इसके कुछ चुनिंदा पार्ट्स की फाइनल असेंबली की जाएगी, जो फ्लोरिडा के मियामी में होगी। कंपनी के मुताबिक यह फोन अमेरिका के फेडरल ट्रेड कमीशन के उन नियमों पर खरा नहीं उतरता, जिनके तहत किसी प्रोडक्ट को मेड इन अमेरिका कहा जा सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने यह भी बताया कि टी1 स्मार्टफोन मार्च के आखिर तक बाजार में आ सकता है। पहले इसे अगस्त या सितंबर में लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन डिजाइन और स्पेसिफिकेशन में बदलाव के चलते इसमें देरी हुई। नए वर्जन में अब 6.8 इंच का बड़ा डिस्प्ले दिया जाएगा, जो पहले तय 6.25 इंच स्क्रीन से काफी बड़ा है। टी1 फोन स्टोरेज के मामले में अपग्रेड किया गया है और इसमें 512जीबी की इनबिल्ट स्टोरेज दी जाएगी। इसके साथ ही 1टीबी तक के माइक्रोएसडी कार्ड का सपोर्ट भी मिलेगा। डिजाइन में भी बदलाव किया गया है। फोन के पीछे कैमरा मॉड्यूल अब स्क्वायर की जगह ओवल शेप में होगा। इसके अलावा, फोन के बैक पैनल पर बड़े अक्षरों में टी1 लिखा होगा, साथ ही अमेरिकी झंडे का निशान और ट्रंप मोबाइल का लोगो भी दिया जाएगा।

भारत के गोल्ड ईटीएफ ने जनवरी में रिकॉर्ड 2.49 अरब डॉलर निवेश किया

- दिसंबर 2025 के 1.25 अरब डॉलर की तुलना में 98 प्रतिशत अधिक

मुंबई। जनवरी 2026 में भारत के गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश 2.49 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो दिसंबर 2025 के 1.25 अरब डॉलर की तुलना में 98 प्रतिशत अधिक है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार यह लगातार आठवें महीने निवेश में वृद्धि को दर्शाता है। 2025 में भारत के गोल्ड ईटीएफ में कुल निवेश 4.68 अरब डॉलर रहा, जो 2024 के 1.29 अरब डॉलर से 262 प्रतिशत अधिक है। इसके पहले 2023 और 2022 में निवेश क्रमशः 31 करोड़ डॉलर और 3.3 करोड़ डॉलर था। वैश्विक निवेशकों ने जनवरी 2026 में फिजिकली बैक्ड गोल्ड ईटीएफ में 19 अरब डॉलर का निवेश किया, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक निवेश है। सोने की कीमतों में जनवरी में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, ग्लोबल गोल्ड ईटीएफ के एसेट्स अंडर मैनेजमेंट 669 अरब डॉलर तक पहुंच गए। कुल होल्डिंग्स 4,145 टन तक बढ़ीं, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। एशियाई गोल्ड ईटीएफ में जनवरी में 10 अरब डॉलर का निवेश हुआ, लगातार पांचवें महीने वृद्धि दर्ज की गई। उत्तरी अमेरिका और एशिया ने वैश्विक मांग बढ़ाई, जबकि यूरोप में भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव के बावजूद निवेश अच्छा रहा। महीने की शुरुआत में सोने की कीमतों में तेजी आई, लेकिन फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन के नामांकन के बाद महीने के अंत में गिरावट आई। इसके बावजूद महीने के आखिरी ट्रेडिंग दिन पर भी गोल्ड ईटीएफ में नेट पॉजिटिव फ्लो दर्ज किया गया।

भारत की जीडीपी वृद्धि 2026-27 में 6.4 फीसदी रहने का अनुमान- मूडीज

- बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अनुमान लगाया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में 6.4 फीसदी होगी। एजेंसी ने कहा कि मजबूत घरेलू खपत, नीतिगत उपाय और स्थिर बैंकिंग प्रणाली के कारण भारत जी-20 देशों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज करेगा। यह अनुमान वित्त मंत्रालय की 6.8ड्ड7.2 फीसदी की सीमा से थोड़ा कम है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 6.5 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने अपनी बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी। हालांकि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमोंमें कुछ दबाव देखने को मिल सकता है। बैंकों के पास ऋण नुकसान झेलने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। समूची बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में 11-13 फीसदी रहने की संभावना है, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 की 10.6 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी का युक्तिकरण और व्यक्तिगत आयकर सीमा बढ़ाने से उपभोक्ताओं की वहन क्षमता बढ़ेगी, जिससे खपत आधारित वृद्धि को मजबूती मिलेगी। मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने और वृद्धि की गति मजबूत रहने के कारण, मूडीज ने अनुमान जताया है कि भारतीय रिजर्व बैंक वित्तीय 2026-27 में तभी नीतिगत दर में ढील देगा जब आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती आएगी।

वेलोसिटी एआई-आधारित 'शिपिंग' मंच केलिए 100 करोड़ का करेगी निवेश

- वेलोसिटी शिपिंग ने 2025 में शुरुआत के बाद से 900 से अधिक ब्रांड जोड़े

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स मंच वेलोसिटी अगले दो वर्षों में अपने लॉजिस्टिक्स कारोबार वेलोसिटी शिपिंग के विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करेगा। यह निवेश पूरी तरह कंपनी के आंतरिक नकद भंडार और मुख्य कारोबार से होने वाली आय से किया जाएगा। वेलोसिटी शिपिंग ने 2025 में शुरुआत के बाद से 900 से अधिक ब्रांड जोड़ लिए हैं। मासिक आधार पर ऑर्डर की मात्रा में 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है और यह वेलोसिटी की कुल आय का लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है। कंपनी का कहना है कि यह निवेश रणनीतिक नियुक्तियों, उत्पाद विकास और लॉजिस्टिक्स मूल्य श्रृंखला में एआई-आधारित नवाचार पर केंद्रित होगा। वेलोसिटी ने अपनी शिपिंग टीम दोगुना करने की योजना बनाई है और वरिष्ठ स्तर पर भी नियुक्तियां की हैं। वेलोसिटी शिपिंग कई तृतीय-पक्ष लॉजिस्टिक्स भागीदारों जैसे डेल्हीवरी, एकार्ट, अमेज़न, ब्लू डार्ट, ब्लिट्ज, पिकंडेल और एक्सप्रेसबीज के साथ काम करती है। यह देशभर में 19,000 से अधिक पिनकोड क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करती है। वेलोसिटी के एक प्रमुख अ?धिकारी का कहना है कि कंपनी की शुरुआत डिजिटल-प्रथम ब्रांडों के लिए पूंजी और लॉजिस्टिक्स बाधाओं को हल करने के उद्देश्य से हुई थी। 100 करोड़ रुपये का यह निवेश दीर्घकालिक रणनीति और भारत के ई-कॉमर्स परिवेश के लिए श्रेणी-निर्धारक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने के दृष्टिकोण को दर्शाता है। स्थापित 2020 में वेलोसिटी पूंजी, लॉजिस्टिक्स, इनसाइट्स और एआई-आधारित समाधानों से जुड़ी सेवाएं प्रदान करती है, और डिजिटल-प्रथम ब्रांडों के लिए एक समग्र समर्थन नेटवर्क तैयार कर रही है।

जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक आज

सतना वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत एमपी वन मित्र पोर्टल पर जिला स्तर पर लंबित दावों के निराकरण हेतु जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक 10 फरवरी को सायं 5 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बैठक में संबंधित अधिकारियों तथा समिति के सदस्यों से उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी 11 फरवरी को तहसील उचेहरा में रहेंगे उपस्थित

सतना जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त) 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे तहसील उचेहरा में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर उनके साथ आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड सतना की टीम भी उपस्थित रहेगी। जो भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की स्पर्श पोर्टल से संबंधित समस्याओं का समाधान करेगी तथा जीवन प्रमाण पत्र से जुड़ी आवश्यक जानकारी देगी।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला आज

सीधी प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के द्वितीय मंगलवार को «सुरक्षित इंटरनेट दिवस» विश्व स्तर पर इंटरनेट के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। वर्ष 2026 में सुरक्षित इंटरनेट दिवस दिनांक 10 फरवरी को «स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प, एआई का सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग» विषय थीम के अंतर्गत मनाया जाएगा।

एसआईआर कार्य में लापरवाही पर बीएलओ निलंबित

सतना फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के दौरान लापरवाही बरतने पर मतदान केन्द्र क्रमांक 30 बरहा के बीएलओ भरतलाल आरख को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र 61 चित्रकूट अंतर्गत प्राथमिक शिक्षक भरतलाल आरख को बीएलओ नियुक्त किया गया था। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा प्रतिवेदन में बताया गया कि संबंधित बीएलओ द्वारा एसआईआर कार्य नहीं किया जा रहा था।

बंधक श्रम उन्मूलन दिवस पर श्रम कार्यालय में कार्यशाला आयोजित

सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार श्रम कार्यालय सीधी द्वारा बंधक श्रम उन्मूलन दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला सहायक श्रम पदाधिकारी सुश्री आकांक्षा पाठक के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। आयोजित कार्यशाला के दौरान संवाद कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित प्रतिभागियों को बंधक श्रम की परिभाषा, उससे संबंधित कानूनी प्रावधानों, श्रमिकों के अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही बंधक श्रम उन्मूलन के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया।

बाल विवाह रोकथाम एवं महिला सुरक्षा को लेकर पूजा पार्क सीधी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीधी जिला कलेक्टर के निर्देशन में, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रवेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं प्रशासक श्रीमती सरोज खरे के सहयोग से पूजा पार्क सीधी में बालिकाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए बालिकाओं को समझाइश दी गई। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि यदि माता-पिता या कोई भी व्यक्ति 18 वर्ष से कम आयु में जबरन विवाह के लिए प्रेरित करता है।

गरीब आवेदकों के लिए जनसुनवाई के बाद नि:शुल्क घर वापसी की अनूठी व्यवस्था

कलेक्टर की पहल पर बस संचालक आए आगे

सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिले के बस संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जनसुनवाई में दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद आवेदकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विशेष «सुगम» व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया।

कलेक्टर ने बताया कि जिला मुख्यालय में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आवेदक अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचते हैं, जिनमें कई अति गरीब वर्ग के लोग भी शामिल होते हैं। ऐसे जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा «सुगम टोकन» जारी करने की पहल की जा रही है। इस टोकन के आधार पर जनसुनवाई के पश्चात पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क घर तक पहुंचाने की व्यवस्था बस संचालकों के सहयोग से सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर की इस संवेदनशील पहल की सभी बस संचालकों ने सराहना करते हुए इसे सहर्ष स्वीकार किया तथा प्रशासन के साथ मिलकर जरूरतमंदों की सहायता करने का भरोसा दिलाया। कलेक्टर ने कहा कि इस सामाजिक पहल में उत्कृष्ट सहयोग प्रदान करने वाले बस संचालकों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। बैठक के दौरान कलेक्टर ने बस संचालकों को सुरक्षित एवं जिम्मेदार बस संचालन के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सभी बसों में निर्धारित क्षमता के अनुसार ही यात्रियों को बैठाया जाए, वाहनों की नियमित फिटनेस एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, तेज गति एवं लापरवाही से वाहन संचालन से बचा जाए तथा यातायात नियमों का पूर्णतः पालन किया जाए। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखंड अधिकारी राकेश शुक्ला, उपखंड अधिकारी चुरहट क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशुतोष सिंह सहित जिले के समस्त बस संचालक उपस्थित रहे।

कुएं में गिरने से 17 वर्षीय किशोरी की मौत गांव में पसरा मातम

सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रौहाल में शनिवार 7 फरवरी 2026 की शाम एक हृदय विदारक घटना सामने आईए जहां 17 वर्षीय किशोरी की कुएं में गिरने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया और परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल है। वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका का नाम नीलम अगरिया 17 वर्ष हैए जो पिता मोहन अगरिया की पुत्री थी। नीलम बीते कुछ समय से अपने मामा शिवभान अगरिया उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी ग्राम रौहाल के यहां रह रही थी। घटना दिनांक 7 फरवरी 2026 को लगभग शाम 4 बजे की बताई जा रही है।

साथ ही मृतिका के मामा शिवभान अगरिया ने कुसमी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वे घटना के समय जंगल लकड़ी लेने गए हुए थे। जब वे वापस लौटे तो पड़ोसियों ने उन्हें सूचना दी कि उनकी भांजी नीलम कुएं में गिर गई है। यह सुनते ही परिजन बदहवास होकर मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही कुसमी थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी देर शाम पुलिस टीम के साथ ग्राम रौहाल स्थित घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से लाल कुएं से किशोरी का शव बाहर निकलवाया। मौके पर विधिवत पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जहां पुलिस द्वारा शव को सीएचसी कुसमी क्या घर के पास ले जाकर पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान गांव में शोक का माहौल बना रहा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित रहे। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला कुएं में गिरने से मौत का प्रतीत हो रहा हैए हालांकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और घटना की गहन जांच जारी है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में खुले कुओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रिहायशी इलाके में भालू की दस्तक से दहशत

सीधी। जिले के संजय टाइगर रिजर्व अंतर्गत मोहन रेंज से लगे जंगल के किनारे स्थित मुख्यालय कुसमी की ग्राम पंचायत भगवार में रविवार रात उस समय अफरा.तफरी मच गईए जब एक जंगली भालू रिहायशी इलाके में घुस आया। घटना रात करीब 9 बजे की बताई जा रही हैए जब भालू हरिजन बस्ती तक पहुंच गया और लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

वही ग्रामीणों के अनुसारए बस्ती के पास एक घर के समीप पीपल का पुराना पेड़ स्थित हैए जिस पर मधुमक्खियों का बड़ा छत्ता लगा हुआ था। बताया जा रहा है कि मधुमक्खी के छत्ते से निकलने वाले रस की तलाश में भालू पीपल के पेड़ पर चढ़ गया। कुछ देर तक भालू पेड़ पर ही मौजूद रहा और छत्ते से रस खाता रहा। इसी दौरान मधुमक्खियों की भनभनाहट और पेड़ की हलचल से आसपास के लोगों को कुछ असामान्य होने का आभास हुआ। साथ ही जैसे ही भालू पेड़ से नीचे उतराए गांव वालों की नजर उस पर पड़ गई। भालू को देखते ही मुहल्ले में हल्ला.गुहार मच गई। लोग घरों से बाहर निकल आए किसी ने टॉर्च जलाई तो किसी ने शोर मचाकर भालू को भगाने की कोशिश की। अचानक हुए शोर.शराबे से घबराया भालू गांव के बीच ज्यादा देर नहीं रुका और नदी की दिशा में भागते हुए जंगल की ओर चला गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुईए लेकिन भालू के रिहायशी क्षेत्र में पहुंचने से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब जंगली जानवर गांव की सीमा तक पहुंचे हों। जंगल से सटे होने के कारण अक्सर वन्य जीवों की आवाजाही बनी रहती है। वही ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए और ऐसे इंतजाम किए जाएंए जिससे जंगली जानवर गांव के भीतर न आ सकें।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस की जन चौपाल सभा

मैहर। जिला कांग्रेस द्वारा सोमवार को मैहर विधानसभा क्षेत्र के अमदरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पथरहटा में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने कहा कि मनरेगा देश के ग्रामीण गरीबों और श्रमिक वर्ग के लिए जीवन रेखा के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण मनरेगा के बजट में कटौती और कार्यों की सीमित उपलब्धता से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है। श्री घई ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत है और यदि मनरेगा को कमजोर करने के प्रयास बंद नहीं किए गए तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमजद खान ने कहा कि मनरेगा योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ.साथ पलायन रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष धर्मेश घई, ब्लॉक अध्यक्ष अमजद खान, मुन्ना रमेश प्रजापति, रामाधार चतुर्वेदी, लाखन सिंह, अमृत लाल पटेल, केदार दुबे, संदीप चतुर्वेदी, सेवालाल यादव एवं सोमदत्त कोरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सेवा के नाम पर वसूली

गरीब मरीजों से खुलेआम की जाती हैं रिश्वत मांग

सीधी। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमिलिया से एक बार फिर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और भ्रष्टाचार का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम हीरादेही निवासी लाल बहादुर साकेत ने आरोप लगाया है कि अमिलिया स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ नर्स विद्या तिवारी द्वारा मरीजों और उनके परिजनों से खुलेआम पैसे की मांग की जाती है।

पीड़ित लाल बहादुर साकेत अपनी बेटी के इलाज और प्रसव के लिए अमिलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे थेए जहां उनसे कथित रूप से ?500 की अवैध वसूली की गई। पीड़ित का कहना है कि वे अत्यंत गरीब परिवार से आते हैं। शासन की ओर से मिले कोटे का गेहूं बेचकर उन्होंने नर्स को ?500 घूस के रूप में दिएए ताकि अस्पताल में डिलीवरी करवाई जा सके। इसके अलावाए नर्स द्वारा यह भी कहा गया कि अस्पताल में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं और सारी दवाइयां बाहर की मेडिकल दुकान से ही मंगवानी होंगी। पीड़ित के अनुसार नर्स ने साफशब्दों में धमकी दी कि यदि दवाइयां बाहर से नहीं लाई गईं और पैसे नहीं दिए गए तो मरीज को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया जाएगा। यह कोई पहला मामला नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस तरह की शिकायतें पहले भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से की जा चुकी हैं।

लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या इस पूरे मामले में उच्च अधिकारियों की मौन सहमति हैए या फिर शिकायतों को जानबूझकर दबाया जा रहा है।

हायर सेकण्डरी बोर्ड परीक्षा आज से शुरू

सतना माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा हायर सेकण्डरी कक्षा 12वीं की वार्षिक परीक्षा 10 फरवरी से आरंभ हो रही है। हायर सेकण्डरी की परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रातः 8 बजे एवं परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.45 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.50 बजे उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.55 बजे प्रश्न-पत्र दिए जाएंगे। प्रत्येक परीक्षार्थी का उपस्थिति पत्रक की फोटो से मिलान किया जायेगा। प्रवेश पत्र में भी फोटो लगाना अनिवार्य है। परीक्षार्थी यथा संभव पेयजल की बोतल स्वयं लेकर आएं। कक्षा 12वीं के नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की परीक्षा का प्रथम प्रश्न पत्र मंगलवार 10 फरवरी को होगा। इस दिन अंग्रेजी का प्रश्न पत्र होगा। शुक्रवार 13 फरवरी को एनिमल हस्बैण्डरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एवं फिशरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, अर्थशास्त्र तथा फिजिक्स का प्रश्न पत्र होगा। शनिवार 14 फरवरी को बायोटेक्नॉलाजी, गायन वादन एवं तबला पखावज का प्रश्नपत्र होगा। सोमवार 16 फरवरी को संस्कृत का प्रश्नपत्र तथा मंगलवार 17 फरवरी को ड्राइंग एण्ड डिजाइन का प्रश्न पत्र होगा।

मैहर में जनगणना 2027 की तैयारी शुरू, जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मैहर भारत सरकार एवं प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनगणना 2027 की प्रारंभिक तैयारियां मैहर जिले में शुरू कर दी गई हैं। जनगणना दो चरणों में सम्पन्न होगी। प्रथम चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक तथा द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा।

जनगणना 2027 के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी मैहर श्रीमती रानी बाटड द्वारा जिला जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में जिला जनगणना समन्वय समिति की संपन्न पहली बैठक में अनुविभागीय जनगणना अधिकारी और चार्ज जनगणना अधिकारियों को जनगणना के कार्यक्रम और विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, एसडीएम अमरपाटन डॉ. आरती सिंह, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल सहित चार्ज जनगणना अधिकारी उपस्थित रहे। जनगणना के लिए गठित समन्वय समिति में अपर कलेक्टर मैहर को जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला योजना अधिकारी एवं जिला सांख्यिकी अधिकारी को अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी बनाया गया है। अनुविभागीय स्तर पर अमरपाटन, मैहर एवं रामनगर के एसडीएम को संबंधित अनुभागों के लिए अनुविभागीय जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है। तहसीलदारों को चार्ज जनगणना अधिकारी तथा नायब तहसीलदारों को अतिरिक्त चार्ज जनगणना अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में कौशल विकास समिति की बैठक आयोजितज

सिंगरौली सीईओ जिला पंचायत के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने 17 फरवरी को सरई आईटीआई परिसर में आयोजित होने वाले रोजगार मेले के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होने कहा कि रोजगार मेले में भाग लेने वाली सभी औद्योगिक कम्पनिया प्रारंभिक चयन प्रक्रिया के उपरांत एक निर्धारित समय में चयनित अभ्यर्थियो को रोजगार के अवसर उपलब्ध करायें। उन्होने निर्देश दिए कि औद्योगिक कम्पनिया सूचित की गई रिक्तयो के अनुसार अधिक से अधिक अभ्यर्थियो को पूरी पारदर्शी प्रक्रिया के साथ चयनित करें। रिक्त पदो एवं भर्तीयो की समीक्षा करते हुयें निर्देश दिए कि संबंधित विभाग उनके यहा से होने वाली युवाओ की भर्ती के संबंधित प्रक्रिया पूरा फालोअप करें। प्रक्रिया को पूर्ण करने में अभ्यर्थी की सहायता करें। इसी के साथ रोजगार मेलो के अलावा भी अन्य कैम्पस सलेक्शन का आयोजन युवाओ को रोजगार उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान एनएपीएसए एनएटीएस एवं मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना अंतर्गत अप्रैटिशशिप की समीक्षा करते हुयें निर्देश दिए कि सभी औद्योगिक कम्पनिया उक्त अप्रैटिशशिप हेतु पोर्टल में रजिस्ट्रेसन कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। लक्ष्य अनुसार युवाओ को अप्रैटिशशिप प्रोग्राम में शामिल करें।

सीईओ जिला पंचायत ने सभी औद्योगिक कम्पनियो के प्रतिनिधियो को निर्देश दिए कि कम्पनिया अपने अपने कार्यो संचालन में उपयोगी ट्रेड की जानकारी उपलब्ध करायें ताकि आईटीआई के माध्यम से संबंधित ट्रेडो के अनुसार युवाओ को प्रशिक्षित कर लोकल स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही आईटीआई सुझाव दिये गये ट्रेड अनुसार कोर्स एवं प्रशिक्षण प्रदान कर युवाओ को रोजगार नियोजन हेतु तैयार करें। उन्होने कहा कि सभी आईटीआई संस्थानो को अपने पाठ्क्रम एवं मशीनरी को वर्तमान तकनीको अनुसार अपग्रेड करने की आवश्यकता है। बैठक क

महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा, कुपोषण समाप्ति हेतु विशेष पहल के निर्देश

पोषण पुनर्वास केंद्रों की फुल ऑक्युपेंसी सुनिश्चित करने व डाटा फीडिंग 15 फरवरी तक पूर्ण करने के निर्देश

सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित कर विभागीय कार्यों की प्रगति का आंकलन किया गया। बैठक में कलेक्टर ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण सुधार तथा कुपोषण उन्मूलन से संबंधित गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी केंद्रों में फुल ऑक्युपेंसी सुनिश्चित की जाए, ताकि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को समय पर उपचार एवं पोषण सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि कुपोषण को समाप्त करने के लिए विभाग विशेष रणनीति के साथ कार्य करे तथा ग्राम स्तर तक प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोषण एवं अन्य योजनाओं से संबंधित डाटा फीडिंग का कार्य 15 फरवरी तक पूर्ण किया जाए, जिससे योजनाओं की वास्तविक स्थिति का सही मूल्यांकन हो सके। उन्होंने कहा कि समय पर और सही डाटा उपलब्ध होने से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता बढ़ेगी।

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है

- चाणक्य

लोकतंत्र के सर्वोच्च आसन पर उठते सवाल

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। यह वह आसन है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। संविधान में परिभाषित है। लोकसभा का अध्यक्ष और राज्य सभा का सभापति पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन का संचालन करेगा। दोनों ही सदन में सभी सदस्यों के हितों के संरक्षण की जिम्मेदारी अध्यक्ष और सभापति की होती है। हालिया घटनाक्रम ने इसी धारणा को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी करना कोई साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। पिछले कई सत्रों से लोकसभा में विपक्ष आरोप लगाता रहा है, उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। बोलने के पहले तरह-तरह से उन्हें रोका जा रहा है। सदन के अंदर सदस्यों को बोलने की जो स्वतंत्रता थी, उसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बाधित किया जा रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जैसे संवैधानिक और परंपरागत अवसर पर भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न मिलना वहीं सत्ता पक्ष के एक सदस्य को बोलने का अवसर दिया गया। इसने असंतोष को आर और पार की लड़ाई में लाकर खड़ा कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष को खुली छूट दी जाती है। जबकि विपक्ष को सवालों और नियमों का हवाला देकर बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष यह कहने से नहीं चूक रहा है, कि आसंदी द्वारा सत्ता पक्ष के लिए अलग, विपक्ष के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष का यह तर्क कि च्सदन नियम और परंपरा से चलेगाज् अपने आप में सही है, लेकिन सवाल यह है, कि क्या ये नियम सबके लिए समान रूप से लागू हो रहे हैं? पिछले 10 वर्षों में विपक्ष द्वारा जब भी कोई स्थगन प्रस्ताव अध्यक्ष को दिया गया, किसी को मंजूरी नहीं दी गई। जबकि परंपराएं और लोकसभा की कार्यवाही में ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं जहां पर विपक्ष को स्थगन प्रस्ताव में बोलने का अवसर दिया गया। जब सत्ता पक्ष कांग्रेस को च्गद्दारज् कहता है, तब वह सदन की मर्यादा है? और जब विपक्ष उसका जवाब देना चाहता है, तब उसे च्आउट ऑफ प्रोसीडिंगज् बताकर रोक दिया जाता है। तो यह किस तरह की निष्पक्षता है? विपक्ष का आरोप है कि अध्यक्ष का व्यवहार निष्पक्ष एवं मध्यस्थता वाला नहीं है। ऐसा स्पष्ट रूप से दिख रहा है। आसंदी का व्यवहार सत्ता पक्ष के रक्षक का है। पिछले वर्षों में जिस तरह से बिल और कानूनों को बिना किसी चर्चा के हो हल्ले में पास कर दिया गया। यही कारण है कि विपक्ष ने अब अविश्वास प्रस्ताव जैसा असाधारण कदम उठाने का मन बनाया है। पिछले 76 सालों में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तीन बार लाया गया है। चौथी बार ऐसी स्थिति बनना अपने आप में असाधारण और चिंताजनक है।

संविधान के अनुसार, अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ लिखित नोटिस आवश्यक होता है। यह प्रस्ताव तभी लाया जाता है जब विपक्ष यह मान ले कि अध्यक्ष सदन की निष्पक्षता बनाए रखने में असफल हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर एकमत हैं। महिला सांसदों ने भी लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी नाराजी जताई है। जो यह दर्शाता है, असंतोष केवल एक दल अथवा एक वर्ग तक सीमित नहीं है। इस पूरे विवाद का सबसे गंभीर पहलू यह है, पिछले कई वर्षों में सदन के सत्र छोटे होते जा रहे हैं। संसद की कार्यवाही बार-बार ठप्प होना अब सामान्य हो गया है। इसका लाभ उठा कर सत्ता पक्ष बिल पास कर लेती है। बजट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय बार-बार कार्यवाही स्थगित होना, अध्यक्ष द्वारा सत्ता पक्ष और विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जाता है। जबकि नियमों के अनुसार विपक्ष की आवाज को अध्यक्ष का संरक्षण मिलना चाहिए। आसंदी की इस कार्रवाई से लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करता है। इतिहास गवाह है, जब-जब अध्यक्ष ने निष्पक्षता दिखाई, तब-तब विपक्ष ने भी मर्यादा का पालन किया है। जब कुर्सी की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ता है। वर्तमान में स्थिति यहां तक पहुंच गई है, अध्यक्ष का आसन राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। वर्तमान स्थिति केवल ओम बिरला या लोकसभा अध्यक्ष के पद या बजट सत्र की नहीं है, यह उस संविधान एवं लोकतांत्रिक परंपरा की परीक्षा है जिसे भारत के संसदीय लोकतंत्र ने कई दशकों में गढ़ा गया है। यदि अध्यक्ष की निष्पक्षता पर विश्वास उठता है, तो केवल विपक्ष नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संविधान भी कमजोर होता है। आवश्यकता इस बात की है, लोकसभा अध्यक्ष अपने पद की गरिमा को पुनः स्थापित करें। सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए समान नियम और समान अवसर सुनिश्चित करें। विपक्ष के पास बहुमत नहीं होता है इसलिए उसे संरक्षण की जरूरत होती है। सत्ता पक्ष की दादागिरी से अध्यक्ष ही विपक्ष को संरक्षण दे सकता है। लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं, बल्कि संवाद और विश्वास के सहारे चलता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर आवाम की आवाज को सदन में लेकर आते हैं। सत्ता पक्ष से ज्यादा वोट विपक्ष के पास होते हैं। विपक्ष बटा हुआ होता है, इसलिए सत्ता पक्ष राज करता है।

आखिर क्यों चर्चा में है खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन

इन दिनों राजस्थान में खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन खास चर्चा में है। दरअसल, खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन राजस्थान के राज्य वृक्ष च्खेजड़ीज् के संरक्षण के लिए चलाया जा रहा एक जन-आंदोलन है। वास्तव में यह आंदोलन सोलर कंपनियों द्वारा पेड़ों की कटाई के कारण चर्चा में आया। आंदोलनकारियों का आरोप है कि राजस्थान के बीकानेर और आसपास के इलाकों में सोलर पावर प्रोजेक्ट्स स्थापित करने के लिए कंपनियां बड़े पैमाने पर खेजड़ी के पेड़ों की कटाई कर रही हैं। यह भी आरोप लगाया गया कि पकड़े जाने के डर से पेड़ों को रात के अंधेरे में काटकर जमीन में दबा दिया जाता है। आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्पष्ट हैं। वे पूरे राजस्थान में खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध चाहते हैं। इसके साथ ही राज्य में एक प्रभावी च्ट्री प्रोटेक्शन एक्टज् लागू करने की मांग की जा रही है, जिसमें अवैध कटाई पर भारी जुर्माने (?1 लाख तक) और जेल की सजा का प्रावधान हो। आंदोलनकारियों का यह भी कहना है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ऐसी जमीनों का ही आवंटन किया जाए, जहां पहले से हरे-भरे पेड़ मौजूद न हों। यहां पाठकों को बताना जरूरी है कि इस आंदोलन की मुख्य और प्रभावी शुरुआत हाल ही में 2 फरवरी 2026 को राजस्थान के बीकानेर जिले से हुई। हालांकि बीकानेर कलेक्ट्रेट और करणीसर भाटियान क्षेत्र में पिछले लगभग एक महीने से शांतिपूर्ण धरने और प्रदर्शन चल रहे थे, लेकिन फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में इसे च्महा-आंदोलनज् का रूप मिला।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में हजारों पर्यावरण प्रेमियों, संतों और बिश्नोई समाज के लोगों का विशाल च्महापड़ावज् शुरू हुआ। इस दिन बीकानेर के बाजार पूरी तरह बंद रहे और स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। इसके अगले दिन, 3 फरवरी 2026 को, कलेक्ट्रेट के सामने 363 संतों और पर्यावरण प्रेमियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर च्आमरण अनशनज् प्रारंभ किया। यह संख्या ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान की स्मृति में प्रतीकात्मक रूप से चुनी गई थी।

मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 5 और 6 फरवरी 2026 को आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच राज्य के उद्योग मंत्री के.के. बिश्नोई धरना स्थल पर पहुंचे। सरकार की ओर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में खेजड़ी की कटाई पर तत्काल लिखित प्रतिबंध लगाने तथा विधानसभा में सख्त च्ट्री प्रोटेक्शन एक्टज् लाने के आश्वासन के बाद आमरण अनशन समाप्त किया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि इस जन-आंदोलन का मुख्य केंद्र बीकानेर रहा, लेकिन इसकी गूंज पूरे पश्चिमी राजस्थान(जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर) में विशेष रूप से सुनाई दी। इस आंदोलन में न केवल राजस्थान, बल्कि हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आंदोलन को पूर्व मुख्यमंत्रियों वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत तथा हनुमान बेनीवाल जैसे प्रमुख नेताओं का भी समर्थन मिला, जिससे यह आंदोलन एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभरा।

फिलहाल आमरण अनशन समाप्त हो चुका है, लेकिन आंदोलनकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक विधानसभा में कानून पारित नहीं हो जाता, तब तक उनका प्रतीकात्मक धरना यानी च्महापड़ावज् जारी रहेगा। उनकी मांग है कि खेजड़ी कटाई पर लगाया गया प्रतिबंध पूरे राजस्थान में प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

यहां पाठकों को यह भी बताना आवश्यक है कि खेजड़ी संरक्षण का इतिहास राजस्थान की मिट्टी में गहराई से जुड़ा हुआ है। अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में वर्ष 1730 ईस्वी में 363 लोगों ने हरे पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इन बलिदानियों में 69 महिलाएं और 294 पुरुष शामिल थे। खेजड़ली (जोधपुर) का यह बलिदान, वर्ष 1730 ईस्वी (विक्रम संवत 1787) में घटित, विश्व इतिहास की सबसे महान पर्यावरण संरक्षण घटनाओं में गिना जाता है। यह पेड़ों की रक्षा के लिए दिया गया पहला और सबसे बड़ा सामूहिक बलिदान माना जाता है।

इतिहास बताता है कि जोधपुर के तत्कालीन महाराजा अभय सिंह को अपने नए महल के निर्माण हेतु चूना पकाने के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की आवश्यकता थी। इसके लिए उनके कारिंदे गिरधारी दास सैनिकों के साथ खेजड़ली गांव पहुंचे और खेजड़ी के हरे पेड़ों को काटने लगे। इसका अमृता देवी बिश्नोई ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने सैनिकों को चुनौती देते हुए ऐतिहासिक नारा दिया-सिर साटे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण। अर्थात यदि सिर कटने के बाद भी एक पेड़ बचता है, तो यह सौदा भी सस्ता ही समझा जाना चाहिए। पेड़ों को बचाने के लिए अमृता देवी सबसे पहले खेजड़ी के पेड़ से लिपट गईं। सैनिकों ने पेड़ के साथ उन्हें भी काट दिया। उनके बाद उनकी तीन बेटियां-आसु, रत्नी और भागू-और फिर उनके पति ने भी अपने प्राणों की आहुति दी। यह दृश्य देखकर पूरे गांव और आसपास के 84 गांवों के लोग उमड़ पड़े और एक-एक करके पेड़ों से लिपटते चले गए।

जब महाराजा अभय सिंह को इस भीषण नरसंहार की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत पेड़ों की कटाई रुकवाई और भविष्य के लिए एक ताम्रपत्र यानी राजकीय आदेश जारी किया, जिसमें बिश्नोई बहुल क्षेत्रों में कभी भी हरे पेड़ न काटे जाने का निर्देश दिया गया।यह भी उल्लेखनीय है कि आधुनिक काल का च्चिपको आंदोलनज्, जिसके प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा थे, इसी खेजड़ली बलिदान से प्रेरित माना जाता है। भारत सरकार और राजस्थान सरकार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अमृता देवी के नाम पर च्अमृता देवी वन्य जीव पुरस्कारज् (राष्ट्रीय पुरस्कार) भी प्रदान करती हैं। खेजड़ली गांव में आज भी एक भव्य शहीद स्मारक स्थित है, जहां हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल दशमी को विश्व का एकमात्र च्वृक्ष मेलाज् आयोजित किया जाता है। अंत में यह कहना उचित होगा कि खेजड़ी का केवल पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व भी है। यह आंदोलन केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्थान की संस्कृति और आस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है।

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला च्विश्व दलहन दिवसज् हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम च्विश्व की दलहन: सादगी से उत्कृष्टता की ओरज् इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं।

दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है।भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं।

युवकत्व की पहचान

जानने और संप्रति करने की जरूरत है। यह सच है कि किशोरावस्था में आदमी के मन में दुविधा पैदा करती है। दुविधा की स्थिति में कोई भी व्यक्ति न तो सही ढंग से सोच सकता है और न ही अपनी क्षमताओं का उपयोग कर सकता है। भयोत्पादक परिस्थितियों का प्रभाव बच्चों और वृद्धों पर अधिक होता है। युवकों में भय की मात्रा कम होती है। वे जान-बूझकर खतरे को मोल लेते हैं। उनकी मानसिकता साहसिक काम करने की रहती है किंतु इसमें भी विवेक की अपेक्षा है। विवेक के अभाव में युवक कुछ ऐसे काम करते हैं जो उसे सर्वहारा की ओर ढकेल कर ... देते हैं

मनुष्य स्वतः संकल्प का स्वामी होता है। उसका संकल्प जैसा होता है व्यक्तित्व भी वैसा ही निर्मित हो जाता है। सृजन और ध्वंस के संस्कार मनुष्य के भीतर होते हैं। उन संस्कारों को वह संकल्पशक्ति के सहारे बदल सकता है। जिस व्यक्ति में विधायक भावों की प्रमुखता होती है वह ध्वंसात्मक संस्कारों को सृजनशीलता में बदल लेता है। निषेधात्मक भाव व्यक्ति को क्रूर, हिंसक, अनुशासनहीनता, असदाचार की दिशा में प्रेरित करते हैं। जिस राष्ट्र और समाज में हिंसा का बोलबाला होता है वहां सत्ता परिवर्तन के लिए लोगों को मौत के घाट उतार दिया जाता है। वह उस राष्ट्र और समाज का दुर्भाग्य होता है। उस दुर्भाग्य से बचने के लिए अतिरिक्त शक्तियों को देश की युवा पीढ़ी सही अर्थ में अपने यौवन को सुरक्षित रखना चाहे और कोई नवीन स्थापित करना चाहे तो उसे प्रतिरोधात्मक क्षमता बनाना होगा। अनुस्रोत में बहना सरल होता है। एक फल-सा तिनका भी प्रवाह में बह जाता है पर विपरीत दिशा में बढ़ने के लिए शक्ति की जरूरत होती है। भोग की प्रवृत्ति एक प्रवाह है। इस प्रवाह को मोड़कर त्यागमय मनोवृत्ति का निर्माण करना युवा होने की सार्थकता है। सत्य के प्रति अनास्था लोकजीवन का एक स्वर है। इस स्वर को बदल कर सत्यनिष्ठा का विकास करना युवकत्व की पहचान है।

आज का राशिफल

शुभसंवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोल, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि अष्टमी, मंगलवार, विशाखा नक्षत्र, ध्रुव योग, बालव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, ... मुहूर्त तथा उदय दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चालाक, चतुर, चंचल, उत्तम वृत्ति वाला, धनी-मानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, बैंक कर्मचारी, लिपिक, वैरिस्टर, एमसीए तथा बीसीए करने वाला, वक्ता-अधिवक्ता होगा।

मेष राशि - मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्यगति में सुधार, शुभ समाचार अवश्य ही मिलेगा।

वृष राशि - कुछ बाधायें कष्टदायक रहें, स्त्री शरीर कष्ट, कार्यगति बाधा, धैर्यपूर्वक कार्य करें

मिथुन राशि - कार्यकुशलता से संतोष, परिश्रम सफल होगा, स्त्री वर्ग से सुख अवश्य होगा।

कर्क राशि - कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी तथा सुख-शांति में समय बीतेगा, समय का ध्यान रखें

सिंह राशि - परिश्रम से समय पर कार्य पूर्ण होंगे, व्यवसायिक क्षमता अवश्य ही बढ़ेगी।

कन्या राशि - स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास, अकस्मात् अनुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े कार्य बनाने का प्रयास अवश्य करें

तुला राशि - योजनायें पूर्ण होंगी, सफलतापूर्वक कार्य पूर्ण कर लेंगे, रुके कार्य पर ध्यान अवश्य दें

वृश्चिक राशि - कार्यगति उत्तम, चिन्ता कम होगी, प्रभुत्व एवं प्रतिष्ठा अवश्य ही बढ़ेगी।

धनु राशि - अकस्मात् अनुकूल सफलता का हर्ष, कार्यगति उत्तम होगी, भावनाएं संवेदनशील होंगी।

मकर राशि - अधिकारी वर्ग के तनाव से क्लेश व अशांति, रुके कार्य बनते ही जायेंगे ध्यान दें

कुंभ राशि - मनोबल बनाये रखें क्योंकि कुछ हाथ में कुछ न लगे तथा नया कार्य अवश्य ही होगा।

मीन राशि - दैनिक कार्यगति उत्तम होगी, कुटुम्ब में सुख, समय उत्तम बनेगा ध्यान अवश्य दें

जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढकर खुशी का आनंद लेकर खुश रहें

मानव जीवन रूपी गाड़ी के सुख और दुख, खुशी और गम रुपी दो ऐसे पहिए हैं जिसके बगैर जीवन रूपी गाड़ी चलना मुश्किल है, क्योंकि ऊपर वाले ने सृष्टि में मानव जीवन की रचना कर सफलताओं और सहायता के लिए ही यह दोनों पहियों को मानव जीवन में संचारित किए हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि खुशी मनीषियों के अहंकार, अहम, अभिमान से अलंकृत होने का न्योता भी साथ-साथ देती है तो गम मनीषियों को सबक, सीख, नम्रता, सद्भाव सीखने का न्योता देता है, याने जीवन के दोनों पहियों से मानव को कौशलता से सीखने की जरूरत है।जब दोनों पहियों रूपी परिस्थितियों में मानव खुशरंग जीवन जीने की कला अपनी कौशलता से सीख लेगा तो अपने जीवन की गाड़ी को सफलता से अपने ऊंचे मानवीय सकारात्मक स्तरों को छू लेगा और मनुष्य जीवन के लिए एक मिसाल कायम कर अपना, अपने कुल और राष्ट्र का नाम ऊंचा करने का सामर्थ प्राप्त करेगा क्योंकि खुशी सफलता की चाबी है।

साथियों बात अगर हम जीवन के एक पहिए खुशी की करें तो खुशियों को हम खुद अपनी कौशलता से अपने जीवन की छोटी-छोटी बातों में ढूंढ कर खुशी का आनंद ले कर खुश रह सकते हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक पल ढूंढकर, खुशी का इजहार कर अपने कौशलता से दूसरों को प्रोत्साहित कर मानवता धर्म को अदा कर ही सकते हैं। हम अगर सृष्टि में देखें तो कैसे कांटो के बीच भी गुलाब का फूल शिद्दत से खिलता मुस्कुराता रहता है, बस!यह तो हमारे लिए बहुत बड़ी सीख की ओर इशारा है।

साथियों बात अगर हम हमारे जीवन के पलों पर जमाने छिटाकशी की करें तो हमने1974 में आई हिंदी फिल्म अमर प्रेम का गाना,, कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातें, सुनें होंगे इसलिए हमें चाहिए कि दूसरों की तारीफों का मोहताज नहीं बनकर अपने कार्य का स्वयं मूल्यांकन कर अच्छे कार्य पर स्वयं गर्व कर खुश रहें, और क्या विपरीत, क्या गलत हुआ उसका स्वतः संज्ञान लेकर उसमें सुधारात्मक उपाय करने पर भी खुशी का एहसास करना होगा, क्योंकि हमने अपने जीवन की कमी को ढूंढ कर उसे सुधारात्मक उपाय से सुधार कर आगे बढ़े यह भी एक खुशी की बात है! हर कमी में सुकून, सकारात्मकता और खुशी ढूंढ लोगों के साथ खुशियों को साझा करें, दूसरों की खुशियों में भी खुश रहें, मन में सुकून ग्रहण करने की आदत अपनाएं

साथियों बात अगर हम जीवन के हमारे दुख रूपी पहिए की करें तो हम हमारे जीवन के दुख के क्षणों में हमें अपने को ऊपर कर अपनी आंखें अपने से नीचे झुकाकर देखना चाहिए कि हमारे से ज्यादा अधिक दुःखी कितने मनीषी जीव हैं और हृदय, मस्तिष्क में यह बात संचारित करें कि इनसे तो हम हमारे दुख बहुत छोटे हैं याने हम दुखों में भी अपनी खुशी ढूंढ तो बस,फिर क्या,जीवन की गाड़ी के दोनों पहियों में हमारे हृदय की सकारात्मक भावना को संचारित करें तो हम पाएंगे कि हमसे ज्यादा कोई खुश है ही नहीं।

साथियों बात अगर हम जीवन की छोटी-छोटी बातों की करें तो उसमें हमें ढेर सारी खुशियां मिल सकती है मसलन अपनी तुलना किसी से ना करें, हमेशा सकारात्मक पहलू पर ध्यान दें, लोगों के साथ खुशियों को बांटे, वह कार्य करें जिसमें खुशियां मिले, जो खुश रहते हैं ऐसे लोगों से मिलिए, आत्मविश्वास से भरपूर रहे, मनपसंद किताबें पढ़ें, समस्या है तो समाधान सोचें, कुछ स्पेशल और अच्छा सोचें, हमेशा चेहरे पर मुस्कान रखें, पुरानी अच्छी बातों को याद रखें, मन को बच्चे जैसा साफ़ रखें, अपने परिवार व बच्चों के साथ समय बिताएं, प्यार पाने को प्यार करना सीखें, छोटी-छोटी सफलताओं पर खुशियां मनाएं, 6 से 8 घंटे नींद पूरी लें इत्यादि अनेक बातों पर ध्यान देने और अपनाने की कोशिश करें तो खुशियों का एहसास आपको जरूर नजर आएगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को खुश रखने की करें तो, आप स्वयं ही अपने आपको प्रसन्न कर सकते हैं। प्रसन्नता कोई अपने आप आने वाली चीज नहीं है। इसके लिए आपको लगातार कोशिश करनी होगी। जब आपको दूसरों की खुशी में ही खुशी मिलने लगेगी तो आप खुशी के भीतर छिपा राज जान लेंगे। याद रखें कि खुशी हमेशा किसी वस्तु की इच्छा, प्रशंसा या कुछ करने में नहीं होती। जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशियां तलाशें और मानकर चलें कि आप प्रसन्न हैं। कोई भी अपना मनपसंद काम करके खुशी पा सकता है। यदि आप मनचाहा काम करने जा रहे हों तो आपको सच्ची प्रसन्नता मिलती है। कुछ रचनात्मक कार्य करें, बेकार व्यक्ति कभी भी खुशी नहीं पा सकता। अपनी इच्छाएं सीमित करके अपने साधनों से संतुष्ट रहने में ही सच्ची खुशी छिपी है। जो लोग कुछ नहीं कर सकते उनके पास काम ही नहीं होता। खुशी का एक रहस्य यह भी होता है कि आप अपने हुनर से समाज, परिवार, सहकर्मियों व अपने काम आएं!!!

साथियों बात अगर हम छोटी छोटी चीजों में खुशियां ढूंढने की करें तो, कभी कभार जो खुशी या संतुष्टि हमें बड़ी से बड़ी चीज में नहीं मिलती वह हमें छोटी सी बात में मिल जाती है। किसी को घूमने में खुशी मिलती है तो किसी को पेंटिंग करने से, कोई गाकर खुश हो जाता है तो कोई किसी से बात करने के बाद खुशी महसूस करता है। आपको अपने जीवन बस वह छोटी सी बात की ही जरूरत है और अगर आपने उस खुशी को वाकई ढूंढ लिया तो आप बड़ी से बड़ी परेशानी से भी निजात पा लेंगे। क्योंकि खुशी सफलता की चाबी है।

साथियों बात अगर हम मनोवैज्ञानिक विचारों की करें तो, मनोवैज्ञानिक भी कहते हैं कि हमारे लिए अपने जीवन की हर छोटी-बड़ी चीज की सराहना करना बहुत जरूरी है, खुश और सकारात्मक रहने के लिए, लेकिन आमतौर पर, हम इसके विपरीत करते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 7110

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आया परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुझे कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. '[illegible] लड़के' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रुकी रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३,२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीता बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7109

रूसी सैन्य खुफिया विभाग के डिप्टी चीफ पर मॉस्को में जानलेवा हमला, दुबई में गिरफ्तार

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ देश की सैन्य खुफिया एजेंसी के शक्तिशाली अधिकारी और डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव पर उनके ही घर में जानलेवा हमला किया गया। खबरों के मुताबिक, एक हमलावर ने मॉस्को स्थित उनके अपार्टमेंट में घुसकर उन पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। गंभीर रूप से घायल जनरल अलेक्सेयेव को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका उपचार जारी है। रूसी सुरक्षा एजेंसी एफएसबी ने इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ होने का दावा किया है।

पुर्तगाल में राष्ट्पति चुनाव में बच्चों ने भी किया मतदान, यह दुनिया में पहला प्रयोग

लिस्बन। पुर्तगाल में रविवार को हुए राष्ट्पति चुनाव में मतदान केंद्रों पर एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। अपने माता-पिता के साथ एक मतदान केंद्र पर पहुंचे बच्चों को भी मतदान करने का मौका दिया गया। हालांकि उनके मतपत्रों पर असली उम्मीदवारों के नाम नहीं थे। बच्चों के लिए बनाए गए खास मतपत्रों पर सुपर मारियो और रोब्लॉक्स जैसे लोकप्रिय काल्पनिक किरदारों के नाम थे। अभिभावकों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस कवायद से बच्चों को लोकतंत्र के बारे में सीखने का मौका मिलेगा।

लोकतंत्र समर्थक और चीन के मुखर आलोचक लाई को 20 साल की जेल

बीजिंग। हांगकांग की लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज और चीन के मुखर आलोचक जिमी लाई को सोमवार को 20 साल की सजा सुनाई गई। लाई को चीन द्वारा लागू राष्टीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराया गया था। जज एस्थर टोह ने बताया कि लाई को इस मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है। लाई इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं। उसके सह-आरोपियों को छह साल तीन महीने से लेकर 10 साल की जेल की सजा सुनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक बंद हो चुके एक अखबार के संस्थापक को इस मामले में आजीवन कारावास की सजा हो सकती थी।

उत्तरी नाइजीरिया में अनियंत्रित ट्रक पलटा, 30 लोगों की मौत, कई घायल

अबूजा। उत्तरी नाइजीरिया के कानो राज्य में रविवार को यात्रियों और सामान से लदा एक ट्रक राजमार्ग पर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए इसे एक बड़ी क्षति बताया है। कानो के गवर्नर कार्यालय के एक बयान के मुताबिक लापरवाही से वाहन चला रहे ट्रक चालक ने कानो के गेजावा के क्वानार बार्डे कस्बे में एक राजमार्ग पर ट्रक से नियंत्रण खो दिया जिससे यह हादसा हुआ।

विंटर ओलंपिक के विरोध में प्रदर्शन हिंसक झड़पं पुलिस ने किया लाठीचार्ज

इटली की पीएम मेलोनी ने प्रदर्शनीकारियों को इटली और इटालियनों के दुश्मन बताया

रोम। उत्तरी इटली के मिलान शहर में विंटर ओलंपिक के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हिंसक झड़पों में बदल गया। ओलंपिक विलेज के पास हजारों लोगों ने पर्यावरणीय नुकसान और सामाजिक-आर्थिक प्रभावों के खिलाफ मार्च किया, लेकिन भीड़ के छंटने के बाद एक छोटे समूह ने पुलिस पर पथराव और आतिशबाजी कर दी। हालात बेकाबू होते देख पुलिस को लाठियां, वॉटर कैनन और आंसू गैस छोड़नी पड़ी। पुलिस के मुताबिक करीब 10,000 प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे थे। हाथों में तख्तियां, बैनर और पोस्टर लिए लोग हाथों में हाथ डालकर गाते-नाचते नजर आए।

प्रदर्शन का मुख्य केंद्र ओलंपिक विलेज के आसपास का इलाका रहा, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

शाम होते-होते जब बड़ी शांतिपूर्ण भीड़ लौट गई, तभी कुछ उपद्रवी तत्वों ने माहौल बिगाड़ना शुरू किया। प्रदर्शनकारियों का गुस्सा खास तौर पर मिलान-कोर्तिना विंटर ओलंपिक 2026 के लिए हो रहे निर्माण कार्यों को लेकर था। उनका आरोप है कि खेलों के नाम पर पहाड़ों, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ÷शहरों को वापस लो और पहाड़ों को आज़ाद करो÷ जैसे नारे लिखे बैनर लोगों के हाथों में दिखाई दिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई प्रदर्शनकारियों ने कार्डबोर्ड से बने पेड़ों के मॉडल लिए हुए थे, जो कोर्तिना में नए बॉब्स्ले ट्रैक के लिए काटे गए जंगलों का प्रतीक बताए गए। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ प्रदर्शनकारी ओलंपिक विलेज के पास पहुंच गए। पुलिस बैरिकेड्स की ओर पटाखे और धुएं के बम फेंकने लगे। सुरक्षा घेरा इतना मजबूत था कि ये वस्तुएं एथलीटों के आवास तक नहीं पहुंच सकीं। इसके बाद मार्च वाया बेनाको की ओर बढ़ा। पियाजाले कोरवेटो पहुंचते-पहुंचते पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प शुरू हो गई। कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भागते देखा गया। पुलिस वैन को भी निशाना बनाए जाने की खबरें है। यह प्रदर्शन उसी समय हुआ, जब अमेरिका के उपराष्टपति जेडी वेंस मिलान के दौरे पर थे। वे अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख के रूप में ओलंपिक उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे। शुक्रवार को सैन सिरो स्टेडियम में हुए भव्य उद्घाटन समारोह में उन्हें कुछ लोगों की हूटिंग का सामना भी करना पड़ा। प्रदर्शन के समय उनकी मौजूदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ा दी।

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने पोस्ट करते हुए लिखा प्रदर्शनीकारी इटली और इटालियनों के दुश्मन हैं।

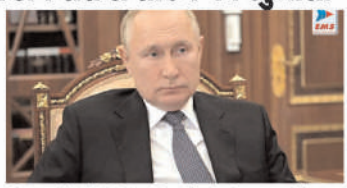

पुतिन से मिलना चाहता था एप्सटीन लेकिन नहीं गली दाल, रूसी अफसरों से सेटिंग का खुलासा

मॉस्को। कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की अंतरराष्टीय पहुंच और उसके संदिग्ध नेटवर्क को लेकर एक बार फिर सनसनीखेज खुलासे सामने आए हैं। अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा जारी किए गए नए दस्तावेजों से यह संकेत मिलता है कि एपस्टीन रूस के शीर्ष नेतृत्व, विशेषकर राष्टपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव तक सीधी पहुंच बनाने की जुगत में लगा हुआ था।

इन दस्तावेजों के अनुसार, एपस्टीन न्यूयॉर्क में रूस के तत्कालीन संयुक्त राष्ट राजदूत विटाली चुरकिन के साथ लगातार संपर्क में था। वर्ष 2017 में चुरकिन की अचानक मृत्यु के बाद, एपस्टीन ने नॉर्वे के एक राजनेता के माध्यम से रूसी विदेश मंत्री लावरोव तक पहुंचने का प्रयास किया। जून 2018 के एक ईमेल में एपस्टीन ने दावा किया था कि चुरकिन उसे बेहतर समझते थे और उन्होंने अमेरिकी राजनीति के शीर्ष संवादों को भी एपस्टीन के माध्यम से समझने की कोशिश की थी। दस्तावेजों के विश्लेषण से पता चलता है कि 2013 से 2018 के बीच एपस्टीन ने कई बार राष्टपति पुतिन से मिलने या उनसे बातचीत करने की कोशिशें कीं। उसने खुद को एक सलाहकार के रूप में पेश किया, जो रूस को पश्चिमी निवेश आकर्षित करने में मदद कर सकता था। एक ईमेल में उसने स्पष्ट रूप से लिखा कि यदि पुतिन उनसे मिलना चाहते हैं, तो उन्हें कम से कम दो से तीन घंटे का निजी समय देना होगा। हालांकि, अभी तक उपलब्ध किसी भी आधिकारिक दस्तावेज से इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि पुतिन और एपस्टीन के बीच वास्तव में कभी कोई व्यक्तिगत मुलाकात हुई थी या नहीं।इन खुलासों के बाद यूरोपीय देशों में सुरक्षा को लेकर चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से ऐलान किया है कि उनका देश एपस्टीन के संभावित रूसी खुफिया संबंधों की गहराई से जांच शुरू करेगा। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि एपस्टीन का पूरा नेटवर्क रूसी खुफिया एजेंसियों के इशारे पर संचालित या उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया हो सकता है। दूसरी ओर, क्रेमलिन ने इन सभी दावों को पूरी तरह से निराधार बताया है। रूसी राष्टपति कार्यालय के प्रवक्ता ने इन ब्योरी? को गंभीरता से लेने लायक नहीं बताया है।

सुरक्षा के मद्देनजर भारत–नेपाल सीमा 72 घंटे के लिए होगी सील, द्विपक्षीय बैठक में बनी सहमति

काठमांडू। पड़ोसी देश नेपाल में आगामी 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनावों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए भारत और नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों ने कमर कस ली है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के उद्देश्य से दोनों देशों के अधिकारियों ने मतदान से पहले अंतरराष्टीय सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए पूरी तरह बंद करने पर सहमति जताई है। यह निर्णय मोरंग जिले के बीरतनगर में आयोजित नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और भारत के सशस्त्र सीमा बल के बीच 16वीं उप महानिरीक्षक स्तरीय समन्वय बैठक में लिया गया। इस रणनीतिक बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधियों और असामाजिक तत्वों की घुसपैठ को रोकना है।

सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह की बाधा न आए, इसके लिए मतदान के दिन और उससे दो दिन पहले तक सीमा को सील रखा जाएगा। यह एक स्थापित परंपरा है कि जब भी किसी एक देश में चुनाव होते हैं, तो सीमा सुरक्षा को कड़ा कर दिया जाता है। इस दौरान केवल आपातकालीन सेवाओं और अनिवार्य आवाजाही को ही विशेष अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि खुली सीमा का लाभ उठाकर अवांछित समूह चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए इन तीन दिनों के दौरान सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती बेहद सख्त रहेगी।बैठक के दौरान केवल चुनावी सुरक्षा ही नहीं, बल्कि सीमा प्रबंधन से जुड़े कई अन्य गंभीर मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने मानव तस्करी, नकली मुद्रा के प्रसार, हथियारों की अवैध तस्करी और नशीले पदार्थों के व्यापार पर लगाम लगाने के लिए संयुक्त रणनीति तैयार की है। विशेष रूप से तीसरे देशों के नागरिकों के अवैध प्रवेश और घुसपैठ की आशंकाओं पर भारत ने अपनी चिंताएं साझा कीं, जिस पर नेपाली अधिकारियों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

बांग्लादेश में बीएनपी और जमात समर्थकों के बीच खूनी संघर्ष, 40 से अधिक घायल

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव के मतदान से महज 72 घंटे पहले राजनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है। शनिवार देर रात बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं के बीच हुई भीषण हिंसक झड़प ने चुनावी तैयारियों में खलल डाल दिया है। इस टकराव में महिलाओं सहित 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह घटना उस समय हुई है जब 12 फरवरी को होने वाले ऐतिहासिक मतदान के लिए चुनाव प्रचार का शोर सोमवार सुबह समाप्त होने वाला है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद उस समय शुरू हुआ जब बीएनपी कार्यकर्ताओं ने जमात पर एक देर रात आयोजित कार्यक्रम में पैसे बांटने का आरोप लगाया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के समर्थक जुट गए और हाथापाई, पत्थरबाजी व आगजनी शुरू हो गई। रातभर चले इस उपद्रव को वर्तमान चुनाव अभियान की अब तक की सबसे गंभीर हिंसा माना जा रहा है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद यह देश का पहला बड़ा चुनाव है।

शेख हसीना की पार्टी को इस चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखे जाने के कारण इसे साल 2009 के बाद से बांग्लादेश का सबसे निर्णायक चुनाव कहा जा रहा है। 12 फरवरी को होने वाले इस मतदान में करीब 12.7 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस बार मुकाबला मुख्य रूप से बीएनपी और जमात के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच है।

बीएनपी के प्रमुख तारिक रहमान ने 300 में से 292 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया है।

परमाणु नीति पर ईरान ने कहा– वो कौन होते हैं हमे हुक्म देने वाले, हम उनसे डरने वाले नहीं

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और युद्ध की आशंकाओं के बीच तेहरान ने अपने इरादे पूरी तरह स्पष्ट कर दिए हैं। ईरान ने घोषणा की है कि वह क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य हमलों के खतरे और नए आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को बंद नहीं करेगा। रविवार को तेहरान में आयोजित एक सार्वजनिक मंच पर बोलते हुए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ तौर पर कहा कि ईरान दबाव की राजनीति में झुकने वाला देश नहीं है और कोई भी बाहरी शक्ति उस पर अपनी शर्तें नहीं थोप सकती।

ईरानी विदेश मंत्री ने अंतर्राष्टीय मीडिया की उपस्थिति में परमाणु नीति पर देश का पक्ष रखा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यूरेनियम संवर्धन तेहरान के लिए एक ऐसा मुद्दा है जिस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, हम संवर्धन जारी रखने पर इतना बल इसलिए देते हैं क्योंकि यह हमारा संप्रभु अधिकार है। चाहे हम पर युद्ध ही क्यों न थोप दिया जाए, हम इसे नहीं छो?ंगे क्योंकि किसी को भी ईरान पर हुक्म चलाने का अधिकार नहीं है।अराघची ने मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) क्षेत्र में अमेरिकी सेना की बढ़ती तैनाती को दबाव की खराब रणनीति करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सैन्य गतिविधियों से ईरान डरने वाला नहीं है। बातचीत की संभावनाओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ईरान को अमेरिका पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। उनके अनुसार, अमेरिका की ओर से कुछ ऐसे संकेत मिले हैं जो गंभीरता दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही प्रतिबंधों का जारी रहना और सैन्य गतिविधियां उसकी मंशा पर गंभीर संदेह पैदा करती हैं। समझौते की संभावनाओं को लेकर ईरान ने अपनी शर्तें भी सामने रखी हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता में कोई समस्या नहीं है, लेकिन असली बाधा अमेरिका की अत्यधिक और अवास्तविक मांगें हैं।

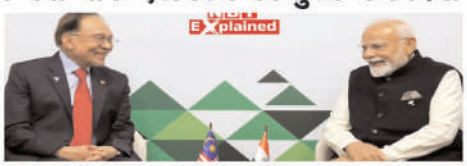

पीएम मोदी के मलेशिया पहुंचते ही चिंतित हुआ पाकिस्तान......अपने नेवी चीफ एडमिरल को तुरंत भेज दिया

कुआलालंपुर। पाकिस्तान के नेवी चीफ एडमिरल नावीद अशरफ ने हाल ही में मलेशिया का दौरा किया, जहाँ उनका स्वागत रॉयल मलेशियाई नौसेना के प्रमुख एडमिरल डॉ. जुल्हेल्मी बिन इथनैन ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया। इस दौरान दोनों पक्षों ने रणनीतिक मामलों, क्षमता निर्माण और समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के समाधान में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। एडमिरल नावीद का यह दौरा तब हुआ, जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मलेशिया में थे।

पीएम मोदी ने अपने मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहीम के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें रक्षा और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। बैठक में दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के कई पहलुओं पर विचार किया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, एडमिरल नावीद अशरफ ने क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा में पाकिस्तानी नौसेना की भूमिका पर चर्चा की। इसमें क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा गश्ती दल (आरएमएसपी) और संयुक्त समुद्री बलों (सीएमएफ) में पाकिस्तान की भागीदारी पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने मलेशिया के राष्टीय जलविज्ञान केंद्र का दौरा भी किया और प्रशिक्षण, डेटा शेयरिंग और पेशेवर सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया। पाकिस्तानी नौसेना ने कहा कि इस दौरे ने पाकिस्तान-मलेशिया नौसैनिक साझेदारी और भविष्य के समुद्री सहयोग की प्रतिबद्धता को पुष्टि की। दोनों पक्षों ने नौसैनिक जुड़ाव, प्रशिक्षण और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। समुद्री डकैती, आतंकवाद और सुरक्षित समुद्री संचार मार्गों के लिए सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

पाकिस्तान और मलेशिया के बीच राजनयिक संबंध 1957 में स्थापित हुए थे, और तब से दोनों देशों के रिश्ते घनिष्ठ रहे हैं। इस दौरे से स्पष्ट हुआ कि क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री सहयोग के मुद्दों पर दोनों देशों के बीच रणनीतिक संवाद और साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है।

अब खालिस्तानियों के लिए कनाडा नहीं रहेगा सुरक्षित पनाहगाह, हर हरकत पर रहेगी नजर

एनएसए डोभाल और ड्रौइन के बीच हुई बातचीत में भारत-कनाडा संबंधों को किया रीसेट

ओटावा। कनाडा पिछले काफी समय से खालिस्तानी चरमपंथियों की सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है, अब वहां इन भारत-विरोधियों के लिए 'नो एंट्री' का बोर्ड लगने वाला है। नेशनल सिक?योरिटी एडवाइजर (एनएसए) अजीत डोभाल ने कनाडा की एनएसए नथाली ड्रौइन के साथ दो दिनों तक ऐसी 'सर्जिकल स्ट्राइक' वाली कूटनीति की कि अब खालिस्तानियों के पास भागने का रास्ता भी नहीं बचेगा। अब कनाडा की धरती खालिस्तानी नेटवर्क के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहेगी। कनाडा सरकार अब खालिस्तानी गतिविधियों को फ्री स?पीच के बजाय आर्गनाइज?ड क्राइम के रूप में देखेगी। इतना ही नहीं, खालिस?तानी वहां भारत के खिलाफ कुछ भी करेंगे तो इसकी जानकारी कनाडा की सरकार भारत को देगी।

मीडिया रिपोर्ट में शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया कि डोभाल और ड्रौइन के बीच हुई इस बातचीत ने भारत-कनाडा संबंधों को रीसेट कर दिया है। कनाडा ने साफ कहा कि वह खालिस्तानी लिंक वाले नेटवर्क जैसे हिंसक समूहों को किसी भी तरह समर्थन नहीं देगी। वहीं नशीली दवाओं की तस?करी, साइबर खतरों और आतंकवाद पर रीयल-टाइम खुफिया जानकारी साझा किया जाएगा। सबसे बड़ी बात, इसमें खालिस्तानी लिंक वाले समूह फोकस में होंगे। सूत्रों के मुताबिक यह चर्चा भारत विरोधी गतिविधियों पर ओटावा के रुख में आए बदलाव को दर्शाती है। अब तक कनाडा ऐसे समूहों की मौजूदगी से इनकार करता रहा है।

अजीत डोभाल ने इस बैठक में खालिस्तानियों के सबसे बड़े वित्तीय स्रोत की कमर तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि कैसे ये समूह नशीली दवाओं विशेषकर फेंटानिल की तस्करी से करोड़ों रुपए कमा रहे हैं और उस ड्रग मनी का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जहर उगलने में कर रहे हैं। डोभाल ने कनाडा को बताया कि कैसे ये ग्रुप वहां रहने वाले प्रवासी भारतीयों को डराते-धमकाते हैं और उनसे जबरन वसूली करते हैं।

सख्त हुआ ईरान- नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी को सात साल की अतिरिक्त जेल

तेहरान। ईरान में मानवाधिकारों की आवाज उठाने वाली नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जेल में बंद मोहम्मदी को अब सात साल से अधिक की अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब वह पहले से ही जेल में भूख हड़ताल पर हैं और ईरान सरकार देश के भीतर उठने वाली असहमति की आवाजों पर लगातार सख्ती बरत रही है।

नरगिस मोहम्मदी के समर्थकों और उनके वकील मुस्तफा निली द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, मशहद की एक रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने शनिवार को यह नया फैसला सुनाया। अदालत ने उन्हें साजिश और मिलीभगत के आरोप में छह साल और प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोप में डेढ़ साल की सजा दी है। इस तरह उन्हें कुल साढ़े सात साल की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। इतना ही नहीं, जेल से रिहाई के बाद उन पर दो साल का यात्रा प्रतिबंध भी लगाया गया है, जो उनकी भविष्य की गतिविधियों को सीमित करने की कोशिश माना जा रहा है। मोहम्मदी दिसंबर से ही हिरासत में हैं, जब उन्हें मशहद में एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गिरफ्तार किया गया था। अपने साथ हो रहे व्यवहार और जेल की स्थितियों के विरोध में उन्होंने 2 फरवरी से भूख हड़ताल शुरू कर दी है। हालांकि, ईरानी सरकार ने अभी तक इस नई सजा की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है, मानवाधिकार संगठनों ने इसे उनकी आवाज को दबाने की एक और कोशिश करार दिया है।

कौन हैं मोहमद मरी....जो कि हिंदु थे फिर इस्लाम को अपनाकर हिंदु विरोधी हो गए

कोआललंपुर। आजकल मलेशिया में धर्म और जाति को लेकर काफी खींचतान चल रही है। इसमें सबसे बड़ा नाम सामने आ रहा है मोहम्मद जमरी विनोथ का। जमरी पहले हिंदू थे, लेकिन इस्लाम अपनाने के बाद वे एक प्रचारक बन गए हैं जो अक्सर हिंदुओं के खिलाफ बयान देते हैं। खासकर जब से भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया दौरे की बात चली है, मरी के सुर और भी मुखर हुए हैं।

जमरी आजकल मलेशिया के धार्मिक मामलों में काफी चर्चा (और विवाद) में रहते हैं। बताया जाता है कि उन पर विवादित प्रचारक जाकिर नाइक की विचारधारा का गहरा असर है। जमरी सोशल मीडिया और अपनी स्पीच के द्वारा कट्टरपंथी सोच को ब?ावा दे रहे हैं, जिसे वहां के समाज के लिए एक चिंताजनक संकेत माना जा रहा है।

बात दें कि जमरी का काम करने का तरीका काफी आक्रामक है। वे भड़काऊ भाषण देते हैं, सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हैं और कई बार हिंदू मंदिरों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी करते हैं। उनकी बातों से ऐसा लगता है जैसे वे हिंदुओं को एक दुश्मन की तरह पेश कर रहे हैं। मलेशिया, जो अपनी विविधता और मिली-जुली संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहां ऐसी बातें भाईचारे को नुकसान पहुँचा रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के मलेशिया दौरे को ?मरी और उनके समर्थक मौके की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। वे इस दौरे को मलेशिया की इस्लामिक पहचान के लिए खतरा बता रहे हैं। ?मरी का कहना है कि मोदी सरकार हिंदू राष्ट्रवाद को बढ़ावा देती है, जिससे मलेशिया के मुस्लिमों के अधिकारों पर असर पड़ेगा। इस तरह उन्होंने एक कूटनीतिक दौरे को पूरी तरह से धार्मिक और राजनीतिक रंग दे दिया है। ये सब बातें मलेशिया के लिए खतरे की घंटी हैं। वहां रहने वाले अल्पसंख्यक अब खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। अगर सरकार ने जमरी जैसे लोगों की नफरत भरी बातों पर लगाम नहीं लगाई, तब समाज में दरार और बढ़ सकती है और हिंसा की नौबत भी आ सकती है। मलेशिया हमेशा से अलग-अलग धर्मों और संस्कृतियों का मेल रहा है।

रंगसंसार

गायकों का होता है शोषण - सावंत

कुछ दिनों पहले देश के सबसे लोकप्रिय गायकों में शुमार अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट का ऐलान कर पूरे संगीत जगत को चौंका दिया था। इस फैसले के बाद जहां प्रशंसक दुखी नजर आए, वहीं संगीत इंडस्ट्री के कई लोग भी स्तब्ध रह गए। इसी बीच इंडियन आइडल फेम सिंगर अभिजीत सावंत का बयान सामने आया है, जिसने चर्चा को और गरमा दिया है। अभिजीत सावंत ने कहा कि अरिजीत का निर्णय भले ही निजी हो, लेकिन इसके पीछे इंडस्ट्री में फैले कई गहरे मुद्दे भी जिम्मेदार हो सकते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि प्लेबैक गायकों को आज भी उचित भुगतान नहीं मिलता, जबकि उनके गानों पर करोड़ों व्यूज और स्ट्रीम आते हैं। अभिजीत ने कहा कि इंडस्ट्री में गायकों का शोषण होता रहा है और इसका ध्यान अब तक किसी ने गंभीरता से नहीं दिया। उन्होंने यह भी बताया कि लाइव शो और कॉन्सर्ट के अलावा गायकों के लिए कमाई के बेहतर विकल्प कम होते हैं। डिजिटल युग में भी उनका हक ठीक तरह से निर्धारित नहीं किया गया है। अभिजीत ने संगीत लेबल्स और प्रोडक्शन हाउस पर आरोप लगाया कि वे अक्सर गायकों की मेहनत का लाभ तो उठाते हैं, लेकिन उन्हें उसी अनुपात में भुगतान नहीं दिया जाता। अभिजीत का यह बयान अब चर्चा का विषय बन गया है।

विवेक ओबेरॉय कोर्ट पहुंचे

बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने अपनी पहचान और छवि के गलत इस्तेमाल को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव के बीच एक्टर ने हाल ही में एक याचिका दाखिल की, जिसमें उन्होंने अनुरोध किया है कि कोई भी संस्था, व्यक्ति या कंपनी उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, फोटो, आवाज, वीडियो या उनसे जुड़ी किसी भी सामग्री का उपयोग न कर सके। विवेक का कहना है कि हाल के दिनों में कई फेक प्रमोशन, भ्रामक विज्ञापन और सोशल मीडिया कैंपेन में उनका नाम और तस्वीर गलत तरीके से इस्तेमाल की जा रही थी। इससे न केवल उनकी पर्सनल इमेज प्रभावित हो रही है, बल्कि दर्शकों को भी भ्रमित किया जा रहा है। इसी कारण उन्होंने कोर्ट से पर्सनैलिटी राइट्स की कानूनी सुरक्षा की मांग की है। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, डिजिटल युग में सेलिब्रिटीज के पर्सनैलिटी राइट्स का मुद्दा तेजी से बढ़ रहा है। कई बार ब्रांड और सोशल मीडिया अकाउंट्स बिना अनुमति मशहूर हस्तियों के नाम का इस्तेमाल कर उत्पादों का प्रचार करते हैं। विवेक की यह याचिका ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

अरिजीत सिंह के निर्णय को सम्मान देना चाहिए- लकी अली

बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट की घोषणा को लेकर श्रेया घोषाल, चिन्मयी और शिल्पा राव के बाद अब मशहूर सिंगर-कंपोजर लकी अली ने भी अपनी बात रखी है। उन्होंने अरिजीत के फैसले को एक बेहद व्यक्तिगत और गहराई से जुड़ा कदम बताया और कहा कि इसे जज नहीं, सम्मान देना चाहिए।

लकी अली ने एक इंटरव्यू में कहा कि किसी कलाकार का ऐसा निर्णय हमेशा किसी गहरे भावनात्मक अनुभव या टूटन से उपजता है। उन्होंने कहा, च्यह समझने के लिए कि एक म्यूजिशियन क्या महसूस कर रहा है, आपको उसकी जगह खुद को रखना होगा। अगर अरिजीत ने यह कदम उठाया है, तो निश्चित ही उसके भीतर कुछ टूटा होगा। जब मैंने उनका स्टैंड देखा, तो मैं उससे पूरी तरह सहमत था। यह कोई नुकसान नहीं है। वह गाना जारी रखेंगे, लेकिन पहले जैसी परिस्थितियों में नहींज्ज् लकी अली ने संगीत करियर की वास्तविकताओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि म्यूजिक इंडस्ट्री में कोई चीज आसानी से नहीं मिलती। च्आपको कुछ भी थाली में परोसकर नहीं दिया जाता। आपको अपना काम ईमानदारी से, पूरी क्षमता के साथ करना होता है। जब आप अपनी राह खुद बनाना सीख जाते हैं, तो आगे बढ़ने का आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन सफर कभी आसान नहीं होताज्ज् इस दौरान उन्होंने अरिजीत की घोषणा का संदर्भ भी दोहराया। अरिजीत सिंह ने कुछ दिन पहले अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था कि वे अब प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई नया असाइनमेंट नहीं लेंगे। उन्होंने इसे एक शानदार सफर बताते हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया था। यह खबर सामने आते ही उनके प्रशंसकों में निराशा और भावुक प्रतिक्रिया देखने को मिली।

लकी अली के बारे में बात करें तो वे भारतीय पॉप और सूफी संगीत की दुनिया के एक प्रतिष्ठित नाम हैं। कॉमिडी के दिग्गज महमूद के बेटे लकी अली ने 90 के दशक में च्ओ सनमज् जैसे सदाबहार गाने देकर इंडी-पॉप को नए मुकाम पर पहुंचाया। च्सफरनामाज्, च्एक पल का जीनाज्, च्ना तुम जानो ना हमज् और च्कभी ऐसा लगता हैज् जैसे गानों से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। सिंगिंग के साथ-साथ वे अभिनय में भी हाथ आजमा चुके हैं। बता दें कि अरिजीत के रिटायरमेंट की घोषणा ने फैंस के साथ-साथ संगीत जगत को भी झटका दिया है। उनके फैसले पर लगातार सेलिब्रिटीज अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

रिया चक्रवर्ती की दमदार वापसी

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती एक बार फिर चर्चा में हैं और इस बार वजह उनके जीवन का नया मोड़ है। साल 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया की जिंदगी पूरी तरह बदल गई थी। उन पर लगे आरोपों, मीडिया ट्रायल और कानूनी कार्रवाई ने उन्हें मानसिक और भावनात्मक रूप से तोड़ दिया था। ड्रग्स मामले में गिरफ्तार होने के बाद उन्होंने 28 दिन भायखला जेल में बिताए और तमाम जांचों से गुजरती रहीं। करीब पांच साल तक चले इस मुश्किल सफर के बाद मार्च 2025 में रिया को क्लीन चिट मिली। इस दौरान उन्होंने निजी जिंदगी से लेकर करियर तक कई झटके झेले, लेकिन अब वह पहले से ज्यादा मजबूत होकर लौटी हैं। रिया ने हालिया बातचीत में कहा कि जिंदगी हमेशा वैसी नहीं होती जैसा आप सोचते हैं च्जिंदगी वही है जो आपके साथ होती हैज्ज् अभिनेत्री का कहना है कि इन पांच वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। कठिन समय ने उन्हें खुद को समझने, अपने डर और कमजोरियों से लड़ने का मौका दिया। रिया अब नई शुरुआत के लिए तैयार हैं और जल्द ही अपने करियर को फिर से रफ्तार देने की योजना बना रही हैं। रिया का कहना है कि वह अब केवल वही काम करेंगी जो उन्हें सशक्त महसूस कराए और एक कलाकार के रूप में उनकी पहचान को निखारे।

मलाइका का जलवा बरकरार

बॉलीवुड की फिटनेस और फैशन आइकॉन मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपने स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर सुर्खियों में हैं। 52 की उम्र में भी मलाइका जिस आत्मविश्वास और ग्लैमरस अंदाज से सार्वजनिक जगहों पर नजर आती हैं, वह लोगों को हैरान कर देता है। हाल ही में मलाइका को मुंबई में एक सैलून के बाहर स्पॉट किया गया, जहां उनका ऑल-ब्लैक लुक चर्चा का विषय बन गया। वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और फैंस उनकी बोल्डनेस और फिटनेस की तारीफ करते नहीं थक रहे। मलाइका ब्लैक स्लीक टॉप, शॉर्ट्स और मैचिंग फुटवियर में दिखाई दीं। नो-मेकअप लुक के बावजूद उनका आत्मविश्वास और स्टाइल लोगों का ध्यान खींच ले गया। मलाइका हमेशा से ही ट्रेंडसेटर रही हैं चाहे वो जिम लुक हो, एयरपोर्ट फैशन या रेड कार्पेट ग्लैम। उम्र को मात देने वाला उनका अंदाज और फिटनेस रूटीन अक्सर चर्चा में रहता है। हाल ही में अभिनेत्री अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी खबरों में थीं। वह योग, डांस और हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनी फिटनेस का राज मानती हैं। फैंस का कहना है कि मलाइका आज भी उतनी ही खूबसूरत और कॉन्फिडेंट दिखती हैं, जितनी दो दशक पहले नजर आती थीं।

दैनिक पंचांग

10 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.49 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	08.22 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.52 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.32 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.31 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.44 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.00 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.12 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22:23 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.38 ब.से
3.00 से 4.30		धनु	02.54 बजे से
बजे तक		मकर	04.59 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 41 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 07.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 07.55 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 01.42 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 07.28 बजे तदनन्तर तैतिल 20.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 25'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872616
जूलियन दिन 2461081.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना साबान
तारीख 21

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02:51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

एक झटके में सारी खबरें गायब

मीडिया प्रबंधन किस तरह से किया जाता है। यह मोदी से अच्छा कोई नहीं जानता है। शेयर बाजार की गिरावट, सोने चांदी की गिरावट, डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट, रही सही कसर संसद में विपक्ष पूरी कर रहा था। डोकलाम और चीन के मामले में राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मुश्किल खड़ी कर रहे थे। मोदी जी आखिर मोदी जी हैं।उन्होंने एक ही झटके में उनके खिलाफ जो खबरें चल रही थी। वह मीडिया से हट गई। हर जगह अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर जो समझौता की खबरों ने स्थान ले लिया। राहुल गांधी संसद में चिल्लाते रहे। उनके हाथ कुछ नहीं लगा। मोदी जी ने एक झटके में बता दिया मीडिया कैसे मैनेज किया जाता है। खबरों को कैसे गायब किया जाता है। अब हर जगह मोदी जी की बल्ले बल्ले हैं।

नकली पैर की सदन में राजनीति

संसद के बजट सत्र में राज्यसभा के मनोनीत सांसद सदानंद ने अपने भाषण के पहले अपने दोनों नकली पैर अपनी सीट के सामने टेबल पर रख दिए।जिसके कारण सदन में भारी हंगामा हुआ। उन्होंने पहले ही भाषण में हिंदुत्व और आरएसएस की विचारधारा को लेकर पैरों के माध्यम से सहानुभूति हासिल करने का प्रयास किया। राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने महात्मा गांधी की हत्या को लेकर गोडसे के बारे में जो पूछा। उसे पर सदानंदन चुप रह गए। राजनीति सीखना है, तो संघ और भाजपा से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता है। भाजपा हर ऐसे मुद्दे को भुनाना जानती है।

यूजीसी के नियमों ने पहुंचाया भाजपा को गहरा आघात

पिछले 12 वर्षों में हिंदू एकजुटता के भाजपा और सरकार ने जो प्रयास किए थे। जो नेरेटिव हिंदुओं के बीच में बनाया था। मुसलमानों के खिलाफ एक वातावरण बन गया था। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की जो इमेज भाजपा ने बनाई थी।वह एक ही झटके में धूल धूश्रित हो गई।कहाँ मुसलमानों के खिलाफ हिंदू एक जुटता की बात की जा रही थी। कहां अब हिंदुओं के पिछड़े, एसटी, एससी जातियों के निशाने पर सरकार और भाजपा आ गई है। भला हो सुप्रीम कोर्ट का जिसने स्टे करके मलहम लगा दी है। आगे क्या होगा राम जाने। 80-20 और कटोगे तो बटोगे को लेकर आगे क्या होगा।यह चिंता का विषय बन गया है।

दुश्मन देवताज् में लगातार डांस करते हुए पैरों पड गए थे छाले- सोनम खान

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम खान ने 1991 में रिलीज हुई फिल्म च्दुश्मन देवताज् के लोकप्रिय गीत च्उरी उरी बाबाज् से जुड़ा एक थोड़ा दर्द भरा अनुभव साझा किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इस गाने का वीडियो पोस्ट करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान गर्म मौसम और कठिन परिस्थितियों ने उन्हें कैसी परेशानी दी थी। सोनम ने बताया कि गाने की शूटिंग बेहद गर्मी के बीच हुई थी और उन्हें पूरे सीक्वेंस में नंगे पैर डांस करना पड़ा। लगातार गर्म सतह पर डांस करने की वजह से उनके पैरों में दर्दनाक छाले पड़ गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शूटिंग पूरी की। उन्होंने पोस्ट में मजाकिया अंदाज में लिखा, च्हां, ये मैं ही हूंज् उरी उरी बाबा। इस गाने की शूटिंग के दौरान बहुत गर्मी थी। मुझे नंगे पैर डांस करना पड़ा और पैरों में छाले पड़ गए थेज्ज् उनके इस खुलासे को देखकर फैंस ने कमेंट सेक्शन में प्यार और प्रशंसा की बरसात कर दी। च्दुश्मन देवताज् के इस गाने को ऊषा उथुप ने अपनी दमदार आवाज दी थी, जबकि इसके बोल अंजान ने लिखे थे और संगीत बप्पी लहरी ने तैयार किया था। फिल्म का निर्देशन अनिल गांगुली ने किया था जिसमें धर्मेंद्र, डिंपल कपाड़िया, आदित्य पंचोली और सोनम प्रमुख भूमिकाओं में थे। कहानी एक ऐसे गांव के इर्द-गिर्द घूमती है जो डाकुओं और जंगली जानवरों के आतंक से परेशान है। इसी गांव में धर्मेंद्र द्वारा निभाया गया किरदार एक रहस्यमयी उद्देश्य के साथ पहुंचता है और गांव वाले उसे देवता समान मानने लगते हैं। हालांकि कहानी और कलाकारों के बावजूद च्दुश्मन देवताज् बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई और फिल्म के निर्माता को भारी नुकसान झेलना पड़ा।

सोनम खान के करियर की बात करें तो उन्होंने तेलुगु फिल्म से 1987 में शुरुआत की थी, लेकिन हिंदी सिनेमा में उन्हें असली पहचान फिल्म च्विदेयज् के लोकप्रिय गीत च्सिरखी टोपी वालेज् से मिली। अपनी लोकप्रियता के बावजूद उन्होंने फिल्मों से जल्द दूरी बना ली, लेकिन आज भी उनके काम और किस्से दर्शकों को आकर्षित करते रहते हैं। मालूम हो कि सोनम खान अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फिल्मों और पुराने अनुभवों से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा करती रहती हैं।

अच्छी सेहत का राज सेंधा नमक के साथ

भोजन में नमक न हो, तो स्वाद अधूरा लगता है। कम हो जाए तो फीका और अधिक हो जाए तो स्वाद बिगड़ जाता है। वहीं सेहत पर भी इसका असर पड़ता है। स्पष्ट है कि नमक के उपयोग में संतुलन होना चाहिए। आम तौर पर शहरों और महानगरों में लोग सामान्यतः आयोडीनयुक्त नमक का ही इस्तेमाल करते हैं। मगर ऐसे कई लोग हैं जो भोजन बनाते समय सेंधा नमक डालते हैं। यों सेंधा नमक का उपयोग बरसों से होता आया है। हालांकि बीते चार-पांच दशकों के दौरान भारत में आयोडीनयुक्त नमक को काफी बढ़ावा दिया गया।इस नमक में सेहत का राज भी छिपा है।

प्रकृति का नमक

यह ऐसा नमक है जो प्रसंस्कृत नहीं है। इस लिहाज से इसे प्राकृतिक मानना चाहिए। इसमें ऐसे कई खनिज और पोषक तत्त्व पाए गए हैं जो शरीर के लिए बेहद जरूरी है। इसमें पिचासी फीसद सोडियम क्लोराइड और बाकी पंद्रह फीसद में कई प्रकार के पोषक तत्त्व पाए जाते हैं। इसमें जिंक और मैग्नीशियम भी पाया जाता है। सेंधा नमक शरीर में 'इलेक्ट्रोलाइट्स' का संतुलन बनाए रखता है। वहीं यह पाचन दुरुस्त रखने के साथ शरीर में ऊर्जा भी बनाए रखता है। भोजन बनाते समय सेंधा नमक का भी संतुलित मात्रा में इस्तेमाल हो, तो यह कुछ रोगों को काबू में रखता है। मगर ध्यान रहे कि थायराइड के मरीजों को इस नमक से परहेज करना चाहिए।

पाचन करे दुरुस्त

जिन लोगों को पेट फूलने या जलन की शिकायत रहती है, उन्हें नुस्खे के तौर पर इसे जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए बस इतना भर करना है कि एक गिलास पानी में थोड़ा सा नींबू निचोड़ लें और इसमें चुटकी भर सेंधा नमक मिला कर पी लें। इसका उपयोग इसी तरह रोज कर सकते हैं। दरअसल, यह नमक पाचक रस को सक्रिय कर देता है। इस नमक-पानी से थकान तो दूर होती ही है, वहीं एक नई स्फूर्ति भी मिलती है। अगर किसी को कब्ज की शिकायत है, तो यह भी धीरे-धीरे ठीक होने लगती है।

दूर करे गठिया का दर्द

गठिया के मरीजों के लिए सेंधा एक अचूक नुस्खा है और इसे अवश्य आजमाना चाहिए। अगर दर्द वाली जगह पर सेंधा नमक की पोटली से सिंकाई की जाए, तो इससे राहत मिलती है। इसी तरह जोड़ो के दर्द या मांसपेशियों की ऐंठन में सहन करने लायक पानी के साथ सेंधा नमक मिला कर सिंकाई करे, तो इससे आराम मिलेगा। त्वचा को अगर चमकदार बनाना हो, तो नहाने के पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिला दें। इससे त्वचा को पोषण तो मिलेगा ही, उसमें निखार भी आने लगेगा।

जब गले में हो खराश

गले में खराश होने पर अक्सर लोग बाजार से

नुस्खे

खुद ही दवाइयां ले लेते हैं। जबकि इसे ठीक करने का नुस्खा घर में ही मौजूद है। बस इतना भर करना है। एक गिलास गुनगुने पानी में एक चौथाई चम्मच सेंधा नमक डाल दें और इससे कम से कम तीन-चार बार गरारे करें। इससे गले के दर्द में तो राहत मिलती ही हैं, वही संक्रमण भी धीरे-धीरे दूर हो जाता है। इस तरह प्राकृतिक तरीके से किया गया यह उपचार स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

किताबों का जीवन

पुस्तक-संस्कृति

अविनाश जोशी

अगर हम आज से पांच सौ वर्ष पहले की किताबों की तरफ नजर डालें, तो एक सुकूनभरी बात दिखाई देती है। उस समय जो भी ग्रंथ, धार्मिक पुस्तकें, साहित्य, इतिहास, दार्शनिक रचनाएं या वैज्ञानिक खोज पर आधारित पुस्तकें लिखी गई, वे आज भी किसी न किसी पुस्तकालय, आश्रम, संग्रहालय या निजी संग्रह में प्रकाशित या छपे हुए रूप में उपलब्ध हैं। कागज पर छपी इन किताबों का यह स्थायित्व हमें यह भरोसा देता है कि ज्ञान की धारा बिना रुके पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहेगी। मगर जब हम आज के इंटरनेट युग को देखते हैं, तो तस्वीर कुछ उलट दिखाई देती है। आज लाखों नहीं, करोड़ों पन्नों के बराबर सामग्री केवल इंटरनेट पर मौजूद है। ऐसे तमाम लेख, शोधपत्र, ई-बुक, ब्लाग, पत्रिकाएं और किताबें हैं, जिनका कोई प्रिंट संस्करण नहीं है। ये केवल एक 'फाइल' के रूप में 'सर्वर' पर टंगी हुई हैं। अगर किसी दिन साइबर अपराध, हैकिंग, तकनीकी हादसे या डिजिटल व्यवस्था के ध्वस्त होने या फिर किसी वेबसाइट के संचालक द्वारा ही किसी कारण से उसे हटा लेने जैसी किसी अप्रत्याशित घटना ने इन फाइलों को निगल लिया, तो क्या हम उन किताबों से सदा के लिए वंचित हो जाएंगे?

यह प्रश्न सिर्फ तकनीकी नहीं, सांस्कृतिक, शैक्षिक और सभ्यतागत भी है। मानव सभ्यता हमेशा से अपने ज्ञान-भंडार पर टिकी रही है। आज जिस भी शास्त्र, ग्रंथ, उपनिषद, काव्य-संग्रह, महाकाव्य या वैज्ञानिक शोध का हम हवाला देते हैं, वे सब कभी न कभी हाथ से लिखे गए पन्नों या छपी हुई किताबों के रूप में संरक्षित किए गए थे। समय के थपेड़ों, युद्धों, आक्रमणों और प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद, इनका कुछ न कुछ हिस्सा बचा रहा और उसी से नई पीढ़ियों ने आगे का रास्ता बनाया।

झूठा भरोसा

इंटरनेट के आने के बाद हमने यह मान लिया कि अब तो सब कुछ सुरक्षित है। बादलों में टंगी 'क्लाउड स्टोरेज' ने हमें एक झूठा भरोसा दे दिया कि अब किसी चीज के खोने का डर नहीं। पर सच यह है कि डिजिटल डेटा जितना सुविधाजनक है, उतना ही नाजुक भी है। एक 'वायरस', एक रैनसमवेयर या एक वैश्विक स्तर का साइबर हमला, बिजली या सैटेलाइट व्यवस्था में किसी बड़े व्यवधान या फिर कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों के व्यावसायिक निर्णय, इन सबमें से कोई भी एक घटना हमारी डिजिटल विरासत को खतरे में डाल सकती है। यहां एक और विडंबना है। पांच सौ साल पहले की किताबें न तो किसी 'पासवर्ड' की मोहताज थीं, न किसी साफ्टवेयर अद्यतन की। बस अलमारी से निकाला और पढ़ लिया, लेकिन आज की ई-किताबें किसी खास स्वरूप में बंद हैं, किसी कंपनी के 'सर्वर' पर पड़ी हैं, किसी 'एप' पर निर्भर हैं, या किसी 'भुगतान पर आधारित ग्राहकी' के पीछे कैद हैं। कल अगर वह कंपनी बंद हो जाए, एप चलना बंद कर दे, या ग्राहकी का स्वरूप बदल जाए, तो उसी क्षण हमारे हाथ से कितनी ही डिजिटल किताबें गुम हो सकती हैं।

सुरक्षा का सवाल

यह सच है कि कई प्रतिष्ठित पुस्तकालय, विश्वविद्यालय और संस्थान 'डिजिटल आर्काइव' बना रहे हैं। 'डिजिटल पुस्तकालय' की अवधारणा अपने आप में सराहनीय है। प्रश्न यह है कि क्या इन डिजिटल भंडारों की उतनी ही सुरक्षा और दीर्घायु सुनिश्चित की गई है, जितनी कागज पर छपी पुस्तकों की स्वाभाविक दीर्घायु होती है! एक पुरानी किताब पर धूल जम सकती है, पन्ने पीले पड़ सकते हैं, किनारे फट सकते हैं, लेकिन जब तक उसका मूल ढांचा बचा है, तब तक उसमें दर्ज ज्ञान जीवित रहता है। जबकि एक 'करप्ट' यानी खराब हो गई फाइल, एक खराब 'हार्ड डिस्क' या मिट गया सर्वर, ज्ञान को एक झटके में शून्य में बदल सकता है। सवाल यह भी उठता है कि ज्ञान का असली घर कहां है- कागज पर, स्क्रीन पर, या मनुष्य की चेतना में? मान लिया जाए कि किसी स्वतंत्र लेखक ने एक महत्त्वपूर्ण शोध-ग्रंथ केवल ई-बुक के रूप में प्रकाशित किया, जिसे हममें से हजारों लोगों ने अपने मोबाइल या लैपटाप पर डाउनलोड कर रखा है। अब अगर किसी बड़े साइबर हमले में इंटरनेट सेवा व्यापक स्तर पर ठप हो जाए, या यंत्रों का डेटा नष्ट हो जाए, तो उस लेखक की सारी मेहनत इतिहास से गायब हो सकती है।

> **डिजिटल सामग्री को बदलना और छेड़छाड़ करना कागज की किताबों की तुलना में कहीं आसान है। किसी वेबसाइट की सामग्री को बिना निशान छोड़े सुधारा, बदला या गायब किया जा सकता है। ऐसे में अगर किसी शक्ति-संपन्न संस्था ने इतिहास, साहित्य या विचारधारा को अपने अनुरूप ढालने का निश्चय कर लिया, तो डिजिटल सामग्री उसका सबसे आसान शिकार बनेगी।**

सहयात्री बनाएं

इस संदर्भ में एक और चिंता यह है कि डिजिटल सामग्री को बदलना और छेड़छाड़ करना कागज की किताबों की तुलना में कहीं आसान है। किसी वेबसाइट की सामग्री बिना निशान छोड़े सुधारी, बदली या गायब की जा सकती है। ऐसे में अगर किसी शक्ति-संपन्न संस्था ने इतिहास, साहित्य या विचारधारा को अपने अनुरूप ढालने का निश्चय कर लिया, तो डिजिटल सामग्री उसका सबसे आसान शिकार बनेगी। जबकि मुद्रित किताबों को पूरी तरह बदल देना उतना सरल नहीं होता। तो क्या इंटरनेट युग में किताबों का हश्र विनाश या विस्मृति है? अगर हम सचेत नागरिक, जागरूक पाठक, जिम्मेदार लेखक और दूरदर्शी नीति-निर्माता बनें, तो इंटरनेट युग ज्ञान-संरक्षण का 'सुनहरा युग' भी बन सकता है। बस सामान्य पाठक भी केवल 'सेव' और 'डाउनलोड' पर भरोसा न करे, बेहद महत्त्वपूर्ण पुस्तकों को कागजी रूप में घर या स्थानीय पुस्तकालय में उपलब्ध रखने की संस्कृति को समर्थन दे।

किताबें सिर्फ कागज या स्क्रीन नहीं होतीं, वे मानवीय स्मृति और संवेदना की वाहक होती हैं। इंटरनेट की सुविधा के इस युग में स्थायित्व की चिंता भूल जाना, आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। पांच सौ वर्ष पहले लिखी गई किताबें आज भी हमारा मार्गदर्शन कर रही हैं। इंटरनेट युग में किताबों का हश्र कैसा होगा, यह तकनीक नहीं, हमारी सामूहिक समझ और प्राथमिकताएं तय करेंगी। अगर हम केवल तात्कालिक सुविधा के पीछे भागेंगे, तो कल ज्ञान का आकाश हमारे हाथ से फिसल सकता है, लेकिन अगर हम सजग रहते हुए प्रिंट और डिजिटल दोनों को सहयात्री बनाकर चलें, तो यह युग आने वाली पीढ़ियों के लिए अभूतपूर्व ज्ञान समृद्धि की विरासत छोड़ सकता है।

भारत में अवसर नहीं मिलने पर अमेरिका गये थे हरमीत

मुम्बई । टी20 विश्वकप में अमेरिका की ओर से खेलने वाले स्पिन गेंदबाज हरमीत सिंह उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो अपने करियर को बेहतर बनाने दूसरे देशों की ओर रुख करने में नहीं हिचकिचाते हैं। हरमीत का जन्म मुम्बई में हुआ था और उन्होंने भारत की ओर से दो बार अंडर-19 विश्वकप भी खेला था। इसके अलावा वह आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स से भी खेले हैं पर अधिक अवसर नहीं मिलने के बाद वह अमेरिका चले गये और अब लगातार दूसरी बार विश्वकप खेल रहे हैं। हरमीत ने मुंबई के अलावा कुछ अन्य राज्यों की टीमों की ओर से भी घरेलू क्रिकेट खेला है।

नेपाल से मिली कड़ी टक्कर से हैरान हैं हैरी ब्रुक

मुंबई। इंग्लैंड क्रिकेट के कप्तान हैरी ब्रुक ने कहा है कि टी20 विश्व कप के पहले मैच में नेपाल से मुकाबला आसान नहीं था हालांकि उनकी टीम जीत हासिल करने में सफल रही है। ब्रुक ने कहा कि जिस प्रकार से नेपाल के बल्लेबाजों ने उनके स्पिनर आदिल राशिद को आक्रामक अंदाज में खेलना उससे उन्हें हैरानी हुई। इस मैच में इंग्लैंड को बड़ी मुश्किल से चार रन से जीत मिली। ब्रुक ने कहा, यह मैच कठिन था पर किस्मत से हम जीत गये। नेपाल ने काफी अच्छा खेला। बहुत कम टीमें आदिल राशिद का इस प्रकार से सामना कर पाती है जिस प्रकार से नेपाल के बल्लेबाजों ने किया। वहीं पहले मुझे लगा था हम 184 रनों का आसान से बचाव कर लेंगे पर ये गलत निकला। नेपाल के प्रदर्शन से मुझे खुशी हुई। उसने बराबर की टक्कर दी।

भारत के खिलाफ टी20 मैच खेलने पीसीबी ने रखीं शर्तें

लाहौर। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप मैच में खेलने को लेकर सौदेबाजी शुरु कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक क्रिकेट बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से कहा है कि वह भारत के खिलाफ विश्व कप में खेल सकता है पर उसकी तीन मांगों को पूरा करना होगा। पीसीबी को पता है कि आईसीसी इन मांगों को मानने तैयार नहीं होगा। उसकी मांग है कि बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने बड़ा हुआ मुआवजा दिया जाए।

स्कॉटलैंड टी20 विश्वकप में 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बनी

कोलकाता। बांग्लादेश के बाहर होने के बाद शामिल हुई स्कॉटलैंड की टीम ने टी20 विश्वकप क्रिकेट 2026 में एक नया रिकार्ड बना दिया। स्कॉटलैंड की टीम ने इटली के खिलाफ हुए मुकाबले में 207 रन बनाये और इसी के साथ ही वह 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बन गयी है।

भारत के तेजस्विन ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

पूजा, तजिंदरपाल को रजत

पांच पदक जीतकर छठे स्थान पर रहा भारत

तिआनजिन। भारत के तेजस्विन शंकर ने चीन में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। शंकर ने पुरुषों की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ ही भारतीय दल ने इस टूर्नामेंट में कुल पांच पदक जीते हैं। इस प्रकार भारतीय को पदक तालिका में छठा स्थान मिला है।

वहीं मेजबान चीन ने कुल 10 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य पदक 34 पदक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया है। तेजस्विन ने हेप्टाथलॉन में कुल 5993 अंकों के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंडोर रिकॉर्ड भी तोड़ा। इससे पहले उनका सबसे अधिक स्कोर 5650 अंक का था, ये उन्होंने साल 2021 में अमेरिका में बनाया था।शंकर ने इस टूर्नामेंट में पहले दिन से ही बढ़त हासिल कर ली। जो दूसरे दिन भी जारी रखी। उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ ही पोल वॉल्ट और 1000 मीटर दौड़ में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया। वहीं भारत की ही पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.87 मीटर छलांग लगाकर रजत जबकि तजिंदरपाल सिंह तोर ने पुरुषों की शॉट पुट में 20.05 मीटर गोला फेंककर रजत पदक हासिल किया। एंसी सोजन ने लंबी कूद में 6.21 मीटर छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। शॉट पुट स्पर्धा में चीन के चेंगयू चेन ने 20.07 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं भारत के समरदीप सिंह गिल लंबी कूद में 18.97 मीटर छलांक लगाकर पांचवें स्थान पर रहे।महिलाओं की लंबी कूद में भारत की मौमिता मंडल ने 6.01 मीटर की छलांग लगाकर छठा स्थान प्राप्त किया।

इटली के कप्तान मैडसेन चोटिल हुए आगे खेलने की संभावना नहीं

कोलकाता। इटली के कप्तान वेन मैडसन टी20 विश्व कप के अपने पहले ही मैच में चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। स्कॉटलैंड के खिलाफ इस मैच के चौथे ही ओवर में फील्डिंग करते समय मैडसन के कंधे पर गंभीर चोट लग गयी। मैडसन उस समय मिडविकेट पर फील्डिंग कर रहे थे। वह जॉर्ज मंसी के पुल शॉट को रोकने के प्रयास में गिर गये। इसके बाद उन्हें स्टेडियम से बाहर ले जाया गया। मैडसेन इटली के सबसे अनुभवी क्रिकेटर हैं। ऐसे में उनका चोटिल होना टीम के लिए करारा झटका है।

इटली में खेल सुविधाएं नहीं होने से इंग्लैंड गये थे जसबीर

क्रिकेटर बनने टेक्सी तक चलायी

चेन्नई। टी20 विश्वकप के लिए इटली की टीम में शामिल तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह मूल रुप से भारत के पंजाब के रहने वाले हैं। जसप्रीत का परिवार कई साल पहले इटली चला गया था। जसप्रीत के अनुसार उनके लिए यहां खेलना आसान नहीं था क्योंकि इटली में क्रिकेट लोकप्रिय नहीं है। ऐसे में खेल के लिए बेहतर सुविधाएं नहीं थीं। इस कारण उन्हें एक स्थानीय बर्गमो क्रिकेट क्लब से जुड़ना पड़ा। यहां साधारण सुविधा थी । उसकी प्रतिभा को देखते हुए लोगों ने उसे क्रिकेट कौशल को निखारने इंग्लैंड जाने को कहा। इसके बाद वह बर्मिंघम पहुंच कर खेलने लगे। यहां उन्होंने टैक्सी चालक का भी काम किया । जसप्रीत ने कहा, जब मैं बच्चा था तो भारत में क्रिकेट खेलता था और जब मैं इटली गया तो मैं वही करना चाहता था पर जब मैं इटली गया तो वहां क्रिकेट नहीं था, कोई सही स्टेडियम या ग्राउंड नहीं थे, जैसे मैंने पंजाब में देखे थे। बर्मिंघम एवं जिला प्रीमियर लीग में खेलने वाले 32 वर्षीय जसप्रीत ने कहा, जब मुझे इसके बारे में पता चला तो मैं इंग्लैंड जाकर वहां खेलने लगा क्योंकि वहां टर्फ विकेट थे और खर्चों को पूरा करने के लिए मैंने टेक्सी चलाना शुरू किया । इसके बाद जसप्रीत को सला 2019 में नॉर्वे के खिलाफ इटली के लिए खेलने का अवसर मिला। इटली 2024 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के भी करीब पहुंच गया था पर आयरलैंड से करीबी हार से उसके हाथ से अवसर निकल गया। टीम ने एक साल बाद जून 2025 में यूरोपीय क्षेत्रीय क्वालीफायर में शीर्ष पर रहकर अपना सपना पूरा किया। जसप्रीत ने कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है। हम लंबे समय से क्वालीफाई करने की कोशिश कर रहे थे। और हमारी टीम पिछले तीन वर्षों से बहुत कड़ी मेहनत कर रही है। हम भगवान के आभारी हैं कि हम इस बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर पाए।

अर्जुन कुच्छल ने श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ ट्रॉफी जीती

कपिल देव , मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित 143 गोल्फर टूर्नामेंट में शामिल हुए

जयपुर । अर्जुन कुच्छल ने यहां आयोजित श्री पी एम रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप 2026 में ओवरऑल ग्रॉस विनर रोलिंग ट्रॉफी जीती है। इस गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, पूर्व क्रिकेटर मदन लाल एवं गगन खेड़ा सहित करीब 143 गोल्फर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट के समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों और हैंडीकैप कैटेगरी के विजेताओं एवं उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कई क्षेत्रों से जुड़े गोल्फरों ने भाग लिया। प्रतियोगिता स्टेबलफोर्ड - सिंगल पियोरिया फॉर्मेट में खेली गई। हैंडीकैप श्रेणियों में उपविजेता के रूप में 0-9 कैटेगरी में दीप करन सिंह, 10-18 कैटेगरी में योगेंद्र सिंह, तथा 19-24 कैटेगरी में योगेंद्र गोटेवाल रहे। वहीं हैंडीकैप श्रेणियों में विजेताओं में 0-9 कैटेगरी में हिमांशु सिंह, 10-18 कैटेगरी में देवेंद्र राजावत, तथा 19-24 कैटेगरी में अंकुर ठाकुर शामिल रहे। वेटरन गोल्फर अवॉर्ड डॉ. बसंत खेतान ने जीता जबकि लेडी गोल्फर का खिताब विम्मी भाटिया को मिला। इस अवसर पर कपिल देव ने कहा गोल्फ के प्रति इतना उत्साह और सभी प्रतिभागियों में खेल भावना देखकर सभी को प्रेरणा मिलती है। श्री पी. एम. रुंगटा मेमोरियल गोल्फ कप जैसे आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों से जु? लोगों को एक मंच पर भी लाते हैं।

अगले टी20 विश्वकप में नहीं खेल पायेंगे वैभव

मुम्बई। 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पिछले कुछ समय में अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। आईपीएल से लेकर अंडर-19 क्रिकेट तक वह छाये रहे हैं। वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह दबाव के बीच भी आसानी से बड़े शॉट लगा देते हैं। अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही है पर इसके बाद भी इसके अगले संस्करण में वह खेल नहीं पायेंगे। इस कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई का एक नियम है।

बीसीसीआई ने साल 2016 में राहुल द्रविड़ के कोच रहते एक नियम बनाया था जिसके अनुसार कोई भी खिलाड़ी एक ही बार अंडर-19 विश्कप खेल सकेगा। ये फैसला इसलिए किया गया था ताकि अधिक से अधिक उभरती हुई प्रतिभाओं को इसमें खेलने का अवसर मिल सके। इस फैसले का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अवसर देना था।

वैभव ने इस बार अंडर-19 विश्वकप में कप में कई रिकार्ड बनाये हैं जो उनके नाम वह पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा फाइनल मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रनों की पारी खेली थी जिससे भारतीय टीम की खिताब जीत आसान रही।

वह पूरे टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड जीतने में भी सफल रहे। वैभव ने पूरे टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन के बल पर प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दोनों खिताब हसिल किया है। साफ 2016 से पहले जब कोई पाबंदी नहीं थी तब कई भारतीय खिलाड़ियों को अंडर-19 विश्व कप में दो बार खेलने का मौका मिला था।

इसमें रवींद्र जडेजा, सरफराज खान, आवेश खान, रिकी भुई और विजय ज़ोल जैसे खिलाड़ी हैं। इनमें से हालांकि जडेजा ही सीनियर स्तर पर अपने को साबित कर पाये। वहीं भारतीय टीम का रिकार्ड अंडर-19 टीम में बेहतरीन रहा है। भारत ने अब तक छह बार ये खिताब जीता है।

नकवी से मिले आईसीसी उपध्यक्ष ख्वाजा, भारत-पाक मैच होने की उम्मीदें बनीं

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार के फैसले को वापस ले सकता है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी की लाहौर में रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा से मुलाकात के बाद ये विवाद सुलझने की संभावना बढ़ गयी है। इसके लिए एक बैठक यहां के गद्दाफी स्टेडियम में हुई है। पाक मूल के ख्वाजा आईसीसी में सिंगापुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और पीसीबी पर उनकी अच्छी पकड़ है। बोर्ड में एसोसिएट सदस्य निदेशक के तौर पर उनके पास वोटिंग का अधिकार भी है। आईसीसी बोर्ड ने ख्वाजा को एक मध्यस्थ के रूप में रखा है। बोर्ड के अनुसार ख्वाजा पिछले कुछ समय से नकवी के संपर्क में हैं। वह इसके अलावा बांग्लादेश बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम से भी बात करेंगे। पीसीबी ने बीसीबी के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच से बाहर रहने का फैसला किया है। इससे पहले बीसीबी के भारत में टीम भेजने से इंकार करने के बाद आईसीसी ने उसे विश्वकप से बाहर कर दिया था। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने हाल ही में कहा था कि भारत के खिलाफ नहीं खेलने का फैसला पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में लिया है। वहीं इससे बाद श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने पीसीबी को एक संदेश भेजकर बहिष्कार के फैसले को बदलने की अपील की थी। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता भी एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा से मिलने कोलंबो गए हैं, जिन्होंने नकवी को भारत के खिलाफ मैच खेलने के लिए एक संदेश भेजा था। आईसीसी ने पहले ही पाकिस्तान से मैच नहीं खेलने के कारणों को स्पष्ट करने को कहा है। वहीं अब माना जा रहा है कि भारत-पाक के बीच मैच हो सकता है। आईसीसी के एक निदेशक के अनुसार यह अहम मुकाबला होने की संभावना बढ़ गयी हैं। आईसीसी अभी बोर्ड के साथ मिलकर संभावित समाधान तलाशने में लगा है। जिससे की ये मुकाबला बच सके।

पाक से मैच को लेकर आईसीसी के फैसले का सम्मान करेगा बीसीसीआई - राजीव शुक्ला

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्वकप मैच का बहिष्कार करने के मामले में बोर्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का सम्मान करेगा। शुक्ला ने कहा है कि इस मामले में आईसीसी के जो भी फैसला लेगी। उसी का हम पालन करेंगी और हमारा कोई अलग रुख नहीं होगा। शुक्ला ने कहा, मैं पहले भी स्पष्ट कर चुका हूं कि आईसीसी जो भी फैसला लेगा, बीसीसीआई उसी के अनुसार आगे बढ़ेगी। इस मामले में बोर्ड कुछ भी नहीं कहेगा।

पाक ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने का विरोध करते हुए भारत के खिाफ विश्वकप मैच नहीं खेलने की बात कही है। वही पाक मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मैच की संभावनाएं हैं क्योंकि लाहौर में आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बीच इसको लेकर एक बैठक हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस मामले पर पाकिस्तान सरकार से स्पष्ट दिशा-निर्देश लेने वाला है। इसके बाद ही उसकी ओर से कोई औपचारिक घोषणा होगी। वहीं इससे पहले पाक सरकार ने कहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले को बांग्लादेश से जुड़े विवाद से जोड़ते हुए कहा कि ये बांग्लादेश के प्रति समर्थन दिखाने के लिए लिया गया है।इससे पहले बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से अपने सभी मैच भारत से बाहर कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने विश्वकप से नाम वापस ले लिया था। आईसीसी ने पीसीबी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उसने बहिष्कार का कदम क्यों उठाया है। वहीं पीसीबी ने आईसीसी को संदेश भेजा था कि सरकार के आदेशों के कारण वह इस मैच से बाहर रहेगा। आईसीसी ने पीसीबी को आगाह किया है कि यदि मैच नहीं होता है, तो भारी आर्थिक और व्यावसायिक नुकसान हो सकता है। आईसीसी ने साथ ही उसे कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। पीसीबी का मानना है कि यदि मामला कानूनी रूप लेता है, तो उनके पास मैच से बाहर रहने को लेकर अपना पक्ष रखने के मजबूत आधार है।

विश्वकप में भाग लेने नहीं मैच जीतने आयी है नेपाल टीम : पौडेल

मुम्बई। इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में एक या दो टीमों को हराने का प्रयास करेगी। नेपाल का पहले टी20 मैच में अंतिम ओवर में केवल चार रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से ही टीम के हौसले बुलंद हैं। टीम दो बार के विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हराने के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम ओवर में वह जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। पोडेल के अनुसार उनकी टीम का लक्ष्य हर मैच में जीत के इरादे से उतरना रहेगा। जिस प्रकार से टीम का पहले मैच में प्रदर्शन रहा है उससे उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है।

इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में नेपाल पर बड़ी मुश्किल से केवल 4 रनों से जीत हासिल की। इस मुकाबले में उलटफेर की संभावनाएं तेज थीं पर। गेंदबाज सेम करन ने अंतिम ओवर में टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में नेपाल की टीम छह विकेट पर 180 रन ही बना पायी। कप्तान पौडेल ने कहा, 'खिलाड़ियों ने पहले ही मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर बहुत गर्व है। जब हम इस विश्व कप में आए थे तभी ये ठानकर आए थे कि हम यहां सिर्फ हिस्सा लेने नहीं आए बल्कि हमारा लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। . हमने हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। अंतिम ओवर में हालांकि हम सफल नहीं रहे। .'लोकेश बाम ने 20 गेंद में नाबाद 39 रन बनाकर टीम की उम्मीदें बनाये रखीं थीं। अंतिम ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की जरुरत थी पर वह चौका, छक्का नहीं लगा पाये। करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम केवल पांच रन ही बना पाई. लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा.

गंभीर के घर पर भारतीय टीम के लिए हुई डिनर पार्टी बीसीसीआई उपाध्यक्ष शामिल हुए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर रात्रि भोज पर पहुंची। गंभीर ने टीम को अपने घर पर आमंत्रित किया था। इसमें खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल हुए। गंभीर ने अपने परिवार के साथ भारतीय टीम का स्वागत किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। भारतीय टीम टी20 विश्वकप के 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दिल्ली पहुंची थी। इससे पहले टीम ने मुम्बई में हुए पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारतीय टीम के गंभीर के घर पहुंचने का एक वीडियो भी आया है। इसमें गंभीर और उनकी पत्नी टीम का स्वागत करते हुए दिख रहे हैं। इससे लावा बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी गंभीर के घर पहुंचे। टीम का स्वागत करते हुए गंभीर और उनकी पत्नी नताशा व बच्चे बेहद खुश दिखे। इस पार्टी में कई प्रकार के व्यंजन और मीठे पकवान परोसे गए। इंडियन तंदूर के साथ ही चाइनीज और कांटिनेंटल इटालियन खाना भी परोसा गया। भारतीय खिलाड़ी बस से गौतम गंभीर के घर पहुंचे थे। सभी खिला?ी एकदम कैजुअल ड्रेस में दिखे। शुभमन गिल सफेद टीशर्ट और काला चश्मा पहने दिखे। केएल राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा और अन्य भारतीय क्रिकेटरों समेत कोच रायन टेन डोइशे और मोर्ने मोर्केल भी इस डिनर पार्टी में मौजूद रहे। वहीं गंभीर इस दौरान भारतीय टीम की जर्सी पहने दिखे।

तिलक हालात के अनुसार खेलने वाले बल्लेबाज : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में तिलक वर्मा की बल्लेबाजी की सराहना की है। गावस्कर ने कहा कि तिलक एक समझदार क्रिकेटर है जो हालात के अनुसार खेलना जानते हैं। उन्हें पता है कि दबाव के बीच किस प्रकार से संयमित पारी खेली जाती है। गावस्कर को उम्मीद है कि 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच में भी वह इसी प्रकार खेलेंगे। गावस्कर ने दबाव में परिपक्वता दिखाने के लिए तिलक की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, तिलक एक बहुत ही होशियार क्रिकेटर हैं। वह न सिर्फ अपनी बल्लेबाजी कौशल या अलग-अलग प्रकार के शॉट्स के लिए जाने जाते हैं बल्कि इसलिए भी कि कब, कैसे खेलना है। वह दूसरे ओवर में कठिन हालातों में बल्लेबाजी करने आए, जब टीम के मुख्य आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आउट हो गए थे। उस समय, तिलक जानते थे कि उन्हें जवाबी हमला करने की जरूरत है पर बिना बड़ा जोखिम उठाए। गावस्कर ने कहा, वह बहुत ज्यादा आक्रामक नहीं हो रहे थे, बल्कि सोच-समझकर खेल रहे थे। उन्होंने मिड-ऑन के ऊपर से एक चिप शॉट खेला क्योंकि उन्हें पता था कि फील्डर सर्कल के अंदर है। वह छक्का मारने की कोशिश नहीं कर रहे थे, सिर्फ चौका। तिलक उस तरह के खिलाड़ी हैं जो आपके साथ टिके रहेंगे। हमने यह एशिया कप फाइनल में भी देखा था, जहां उन्होंने समय लिया और फिर आखिर में जीत दिलायी। इसलिए, अगर उनके जैसा कोई खिलाड़ी पहले छह ओवर में आता है और 14वें या 15वें ओवर तक क्रीज पर रहता है, तो आप एक अच्छा स्कोर बना सकते

गुढ़ इंडस्ट्रियल एरिया का विकास रीवा के औद्योगिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अहम - उप मुख्यमंत्री

नगर परिषद गुढ़ एवं औद्योगिक क्षेत्र में जल प्रदाय योजना कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वल्लभ भवन में रीवा जिले के गुढ़ स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में चल रहे विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नगर परिषद गुढ़ एवं औद्योगिक क्षेत्र गुढ़ में महत्वाकांक्षी जल प्रदाय योजना के कार्यों को शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 16 करोड़ लागत की इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अब तक सिर्फ 7 करोड़ लागत का कार्य ही हो सका है। इस परियोजना से 5 एमएलडी जल नगर परिषद गुढ़ को और 5 एमएलडी जल औद्योगिक क्षेत्र गुढ़ को प्राप्त होगा। इस प्रोजेक्ट के पूर्ण होने से गुढ़ क्षेत्र में जल प्रदाय व्यवस्था सुदृढ़ होगी साथ ही औद्योगिक क्षेत्र का भी विकास होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी औद्योगिक क्षेत्र के समुचित विकास के लिए बिजली, पानी, सड़क, ड्रेनेज जैसी मूलभूत सेवाओं का सुदृढ़ होना अनिवार्य है। इन सुविधाओं के अभाव में औद्योगिक संस्थान वहां निवेश करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जिससे क्षेत्र का औद्योगिक विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुढ़ इंडस्ट्रियल एरिया के विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और बिजली, सड़क, जल एवं अन्य आवश्यक सेवाओं के विस्तार के लिए तत्काल और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने उच्च अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य मंध किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गुढ़ इंडस्ट्रियल एरिया का समग्र विकास न केवल रीवा जिले की औद्योगिक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि इससे स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। उद्योगों की स्थापना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगार बढ़ेंगे, जिससे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उन्होंने यह भी कहा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के प्रबंध संचालक श्री चंद्रमौली शुक्ला सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हायर सेकण्डरी कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा आज से

रीवा (कीर्तिप्रभा) माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा हायर सेकण्डरी कक्षा 12वीं की वार्षिक परीक्षा 10 फरवरी से आरंभ हो रही है। हायर सेकण्डरी की परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रातः 8 बजे एवं परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में प्रातः 8.45 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.50 बजे उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.55 बजे प्रश्न-पत्र दिए जाएंगे। प्रत्येक परीक्षार्थी का उपस्थिति पत्रक की फोटो से मिलान किया जायेगा। प्रवेश पत्र में भी फोटो लगाना अनिवार्य है। परीक्षार्थी यथा संभव पेयजल की बोतल स्वयं लेकर आएं। कक्षा 12वीं के नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की परीक्षा का प्रथम प्रश्न पत्र मंगलवार 10 फरवरी को होगा। इस दिन अंग्रेजी का प्रश्न पत्र होगा। शुक्रवार 13 फरवरी को एनिमल हस्बैण्डरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एवं फिशरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, अर्थशास्त्र तथा फिजिक्स का प्रश्न पत्र होगा। शनिवार 14 फरवरी को बायोटेक्नॉलाजी, गायन वादन एवं तबला पखावज का प्रश्नपत्र होगा। सोमवार 16 फरवरी को संस्कृत का प्रश्नपत्र तथा मंगलवार 17 फरवरी को ड्राइंग एण्ड डिजाइन का प्रश्न पत्र होगा। बुधवार 18 फरवरी को केमिस्ट्री, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एलिमेंट आफ साइंस एण्ड मैथमेटिक्स यूजफुल फार एग्रीकल्चर, ड्राइंग एण्ड पेंटिंग और गृह प्रबंध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान के प्रश्न पत्र की परीक्षा होगी। गुरूवार 19 फरवरी को मनोविज्ञान का प्रश्नपत्र होगा। शुक्रवार 20 फरवरी को आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस, नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेम वर्क के सभी विषय और शारीरिक शिक्षा का प्रश्नपत्र होगा। शनिवार 21 फरवरी को कृषि, होम साइंस (कला समूह) तथा बुककीपिंग एण्ड एकाउंटेन्सी का प्रश्न पत्र होगा। सोमवार 23 फरवरी को बॉयोलाजी तथा बुधवार 25 फरवरी को गणित का प्रश्नपत्र होगा। गुरूवार 26 फरवरी को राजनीति शास्त्र एवं 27 फरवरी को इन्फॉरमेटिक प्रेक्टिसेस का प्रश्नपत्र होगा।

संभागीय टीएल बैठक आज

रीवा (कीर्तिप्रभा). रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद 10 फरवरी को सुबह 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय मे टीएल पत्रों की समीक्षा करेंगे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण, ई आफिस सहित अन्य बिन्दुओं की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सभी संबधित अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

कमिश्नर 11 फरवरी को करेंगे जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा

रीवा (कीर्तिप्रभा). रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद 11 फरवरी को जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा करेंगे। संभागीय समीक्षा बैठक सुबह 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित की जा रही है। उपायुक्त जेपी यादव ने एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी के साथ संभाग के सभी सहायक आयुक्तों तथा जिला संयोजकों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

रीवा (कीर्तिप्रभा). मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में जनपद पंचायत रीवा अन्तर्गत मनरेगा, एक बगिया माँ के नाम, जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। एक बगिया माँ के नाम योजना में सबसे न्यून प्रगति वाले ग्राम पंचायत के सचिव/ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। अपेक्षित प्रगति न होने पर संबंधित उपयंत्री एवं एनआरएलएम बीएम, एबीएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश सीईओ द्वारा दिए गए। सूचना के बाद भी बैठक में अनुपस्थित सचिव को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत खेत तालाब, कूप रिचार्ज एवं अमृत सरोवर के कार्यों में भी प्रगति धीमी पाई गई। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा 28 फरवरी तक गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश बैठक में दिये गये।

कमिश्नर की अध्यक्षता में कृषि विभाग की संभागीय बैठक 11 फरवरी को

रीवा (कीर्तिप्रभा) कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में 11 फरवरी को दोपहर 2 बजे से कृषि विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आहुत की गयी है। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को उपस्थित के निर्देश दिये हैं।

भू अर्जन प्रकरणों की समीक्षा के लिए बैठक का आयोजन 11 फरवरी को

रीवा (कीर्तिप्रभा) कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में भू अर्जन प्रकरण की समीक्षा 11 फरवरी को की जायेगी। कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु निर्माण, एनएचएआई, एमपीआरडीसी के विभागीय अधिकारियों सहित सभी एसडीएम को उपस्थित के निर्देश दिये गये हैं।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 10 फरवरी को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार मे आयोजित की गई है। बैठक मे महाशिवरात्रि, होली, ईदुलफितर, रामनवमी एवं महावीर जयंती त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में समिति के सदस्यों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

निर्यात प्रोत्साहन के लिए संभाग-स्तरीय जागरूकता कार्यशालाओं का होगा आयोजन

रीवा (कीर्तिप्रभा). प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को निर्यात संबंधी नियम-कायदों की जानकारी देने के लिए आगामी 13 फरवरी से प्रदेश के 7 संभागों में संभागीय स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला होंगी। सचिव एमएसएमई श्री दिलीप कुमार ने बताया कि फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के समन्वय से होने वाली इन कार्यशालाओं की श्रृंखला में पहली कार्यशाला 13 फरवरी 2026 को उज्जैन में आयोजित की गई है। इसके अलावा अलावा 14 फरवरी को इंदौर मे, 27 फरवरी को भोपाल, 28 फरवरी को जबलपुर, 7 मार्च को ग्वालियर, 13 मार्च को रीवा एवं 14 मार्च 2026 को सागर में संभाग-स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

संभागीय समीक्षा बैठक 12 फरवरी को

रीवा (कीर्तिप्रभा). रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा खाद्य विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक 12 फरवरी को आयोजित की गई है। कमिश्नर कार्यालय सभा कक्ष में महिला बाल विकास व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक सुबह 10 बजे से तथा खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक दोपहर 2 बजे से आयोजित की गयी है।

फायर सेफ्टी से संबंधित कार्य को प्राथमिकता से करें पूर्ण -

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वल्लभ भवन में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय योजनाओं, निर्माण कार्यों एवं मानव संसाधन से संबंधित प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा में फायर सेफ्टी से संबंधित लंबित मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कॉलेज मे आवश्यक नवीन कार्यों की स्वीकृति के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने 16 जिला चिकित्सालयों एवं क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉकों के लिए आवश्यक पदों की स्वीकृति संबंधी प्रस्ताव को प्राथमिकता से तैयार कर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए कैबिनेट अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

गलत डाटा दर्ज करना आपराधिक कृत्य और पाप है - कलेक्टर

कलेक्टर ने गंगेव में की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

गलत जानकारी दर्ज करने से गर्भवती महिला की जा सकती है जान

रीवा (कीर्तिप्रभा). कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने गंगेव जनपद कार्यालय सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर करने के लिए लगातार और तत्परता से प्रयास करना आवश्यक है। सभी चिकित्साकर्मी मानवीय संवेदना और सेवाभाव के साथ रोगियों का उपचार करें। एएनएम, आशा कार्यकर्ता के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन कराएं। केवल समग्र आईडी दर्ज करने से ही महिला का पूरा विवरण दर्ज हो जाता है। गर्भवती महिला की समय पर जाँच करें तथा उसके ब्लडप्रेशर, वजन, कद एवं हीमोग्लोबिन की सही जानकारी ऑफलाइन और अनमोल पोर्टल पर दर्ज करें। पोर्टल में यदि गर्भवती महिला की जानकारी दर्ज करने पर लाल अथवा पीला निशान आता है तो घबराएं नहीं। इसके अनुरूप महिला का एनीमिया मैनेजमेंट करें। आपने यदि पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज की तो इससे किसी गर्भवती महिला की जान भी जा सकती है। गलत डाटा दर्ज करना आपराधिक कृत्य और मानवता के प्रति बहुत बड़ा पाप है। पोर्टल में और ऑफलाइन गलत डाटा दर्ज पाए जाने पर एएनएम, सीएचओ और बीएमओ के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, स्वास्थ्य जाँच, टीकाकरण, एनीमिया प्रबंधन की जानकारी दी गई है। सीवियर और मॉडरेट एनीमिया की स्थिति में गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली उपचार सहायता की भी पूरी जानकारी दी गई है। बीएमओ एक महीने की अवधि में प्रत्येक गर्भवती महिला की जाँच पुनः कराकर तथ्यपरक डाटा ऑफलाइन और ऑनलाइन दर्ज कराएं। अधिकांश मैदानी कर्मचारी अच्छा कर्य कर रहे हैं लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही के कारण विभाग और जिले की छवि धूमिल हो रही है। पोर्टल में पूरी सावधानी के साथ वास्तविक जानकारी दर्ज करें। बीएमओ और सीएचओ गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और जाँच की सतत निगरानी करें। एनिमिक महिलाओं को आयरन सुक्रोज के इंजेक्शन लगवाएं तथा गंभीर स्थिति होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर करके उपचार कराएं। प्रशिक्षण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने कहा कि एएनएम वर्षों से गर्भवती महिलाओं की जाँच कर रही हैं। डाटा फीडिंग में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर बीएमओ कार्यालय के डाटा एंट्री आपरेटर की सहायता लें। कोई भी गर्भवती महिला सीवियर एनिमिक मिलती है तो उसकी जानकारी छुपाएं नहीं, उसके उचित उपचार की व्यवस्था करें। गर्भवती महिलाओं के जाँच का विवरण एमसीपी कार्ड में भी अनिवार्य रूप से दर्ज करें। बैठक में डॉ. संदीप पटेल अनमोल पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने का बिन्दुवार प्रशिक्षण दिया। बैठक में एसडीएम मनगवां संजय जैन, सीईओ जनपद प्राची चौबे, डीपीएम राघवेन्द्र मिश्रा, बीएमओ डॉ देवव्रत पाण्डेय, सभी सीएचओ तथा एएनएम उपस्थित रहीं।

संकल्प से समाधान अभियान के आवेदनों का करें निराकरण - डॉ. सोनवणे

रीवा (कीर्तिप्रभा). कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। डॉ. सोनवणे ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। विकासखण्ड स्तर और ग्राम स्तर के अधिकारियों को हर सप्ताह आवेदनों के निराकरण का लक्ष्य दें। राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, ऊर्जा विभाग, पीएचई, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग आवेदन पत्रों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में कोई भी विभाग डी श्रेणी में रहा तो कार्रवाई की जाएगी। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित आवेदनों के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दें।

बैठक में डॉ. सोनवणे ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान के दौरान हर पात्र हितग्राही से आवेदन पत्र भरवाकर उसे योजनाओं का लाभ दें। अभी भी कई विभागों में आवेदन पत्रों की संख्या बहुत कम है। संबंधित अधिकारी पात्र हितग्राहियों से आवेदन पत्र भरवाकर उसे जनपद पंचायत अथवा नगरीय निकाय के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कराएं। अभियान के दौरान दर्ज आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण भी करें। आयुष्मान योजना, धरती आबा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना तथा अन्य सभी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भरवाकर पोर्टल पर दर्ज कराएं। सभी अधिकारी समाधान एक दिन तथा लोकसेवा गारंटी योजना के आवेदनों का तय समय सीमा में निराकरण करें। प्रकरणों के समय सीमा से बाहर होने पर जुर्माने की कार्रवाई करें। जिला नापतौल अधिकारी, सीएमओ सिरमौर तथा सीईओ गंगेव पर दिन के मान से जुर्माना लगाएं। डॉ. सोनवणे ने कहा कि डीन मेडिकल कालेज, सिविल सर्जन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य संस्थाओं का नियमित रूप से भ्रमण करके व्यवस्थाएं बेहतर कराएं। जिला चिकित्सालय, संजय गांधी हास्पिटल तथा गांधी मेमोरियल हास्पिटल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए विशेष प्रयास करें। रीवा ही नहीं आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में रोगी उपचार के लिए यहाँ पहुंचते हैं। चिकित्सक और चिकित्साकर्मी संवेदनशीलता, सेवाभाव और मानवीय दृष्टिकोण के साथ इनका उपचार करें। उपचार में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। शहर में भवन निर्माण कर रही सभी एजेंसियाँ तथा विभाग नगर निगम से भवन निर्माण की अनुमति अनिवार्य रूप से ले लें। बिना अनुमति निर्माण कार्य पाए जाने पर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। सभी प्रमुख संस्थानों में फायर ऑडिट अनिवार्य रूप से कराएं। साथ ही सेवा प्रभार नगर निगम को जमा कराएं। बैठक में डॉ. सोनवणे ने धरती आबा योजना, पीएम सूर्यघर योजना, सौभाग्य योजना तथा पोषण वाटिका निर्माण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में खाद नियमित प्राप्त हो रही है।

कलेक्टर ने तहसील कार्यालय मनगवां का किया निरीक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा). कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने क्षेत्र में भ्रमण के दौरान तहसील कार्यालय मनगवां का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि सभी पीठासीन अधिकारी लंबित राजस्व प्रकरणों की नियमित सुनवाई करके उनका निराकरण करें। नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के प्रकरण निर्धारित समय सीमा में निराकृत करें। प्रकरणों के समय सीमा से बाहर होने पर अर्थदण्ड की कार्रवाई की जाएगी। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य लगभग पूरा हो गया है। अब सभी अधिकारी राजस्व कार्यों पर ध्यान दें। राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करने के साथ कार्यालय की दायरा पंजी में भी अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। एसडीएम राजस्व प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें। खसरे में सुधार, नक्शा तरमीम तथा प्राकृतिक आपदा के राहत प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने अधिकारियों को संकल्प से समाधान अभियान, उचित मूल्य दुकानों तथा अस्पतालों के निरीक्षण के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम मनगवां संजय जैन, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस आशीष दुबे तहसीलदार आंचल अग्रहरि, तहसीलदार अजय मिश्रा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भू अर्जन प्रकरणों की समीक्षा के लिए बैठक का आयोजन 11 फरवरी को

रीवा (कीर्तिप्रभा). कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में भू अर्जन प्रकरण की समीक्षा 11 फरवरी को की जायेगी। कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु निर्माण, एनएचएआई, एमपीआरडीसी के विभागीय अधिकारियों सहित सभी एसडीएम को उपस्थित के निर्देश दिये गये हैं।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 10 फरवरी को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई है। बैठक मे महाशिवरात्रि, होली, ईदुलफितर, रामनवमी एवं महावीर जयंती त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक मे समिति के सदस्यों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

संभाग-स्तरीय जागरूकता कार्यशालाओं का होगा आयोजन

रीवा (कीर्तिप्रभा). प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को निर्यात संबंधी नियम-कायदों की जानकारी देने के लिए आगामी 13 फरवरी से प्रदेश के 7 संभागों मे संभागीय स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला होंगी। सचिव एमएसएमई श्री दिलीप कुमार ने बताया कि फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के समन्वय से होने वाली इन कार्यशालाओं की श्रृंखला में पहली कार्यशाला 13 फरवरी 2026 को उज्जैन में आयोजित की गई है। इसके अलावा अलावा 14 फरवरी को इंदौर में, 27 फरवरी को भोपाल, 28 फरवरी को जबलपुर, 7 मार्च को ग्वालियर, 13 मार्च को रीवा एवं 14 मार्च 2026 को सागर मे संभाग-स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

कियोस्क संचालकों की मनमानी की समिति करेगी जाँच

रीवा (कीर्तिप्रभा) कियोस्क संचालकों द्वारा गरीब और कम जागरूक खाताधारकों से कियोस्क मशीन पर अंगूठा लगवाकर अनैतिक रूप से राशि आहरण की कई शिकायतें मिली हैं। कियोस्क संचालकों द्वारा ई केवाईसी के नाम पर भी खाताधारकों को परेशान किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कियोस्क संचालकों की मनमानी की जाँच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है।

संकल्प से समाधान अभियान में अब तक 34965 आवेदन पत्र दर्ज

अभियान में आमजनों के 20801 आवेदन पत्र मंजूर

रीवा (कीर्तिप्रभा). आमजनता के आवेदन पत्रों का निराकरण करने तथा विकास योजनाओं की पात्रता के अनुसार आवेदन पत्र भरवाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। जिले भर में यह अभियान 12 जनवरी से 31 मार्च तक चार चरणों में चलाया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर आमजनता से आवेदन पत्र प्राप्त किए जा रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक संकल्प से समाधान शिविरों में आमजनता से 34965 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 20801 आवेदन पत्रों को स्वीकृत किया गया है। विभिन्न कारणों से 1156 आवेदन पत्र अस्वीकृत किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लगाए जा रहे शिविरों में विकासखण्ड जवा में 4056, विकासखण्ड रीवा में 9354, विकासखण्ड सिरमौर में 8088, विकासखण्ड गंगेव में 6881, विकासखण्ड त्योंथर में 2740 तथा विकासखण्ड रायपुर कर्चुलियान में 1652 आवेदन पत्र दर्ज हुए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निगम रीवा में 1604, नगर परिषद बैकुण्ठपुर में 56, नगर परिषद चाकघाट में 126, नगर परिषद डभौरा में 91, नगर परिषद त्योंथर में 78, नगर परिषद गुढ़ में 79, नगर परिषद मनगवां 29, नगर परिषद गोविंदगढ़ 10, सेमरिया 65 तथा नगर परिषद सिरमौर में 56 आवेदन पत्र दर्ज किए गए हैं। इन आवेदन पत्रों का निराकरण भी किया जा रहा है। शिविरों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड, नामांतरण, बंटवारा, जमीन के पट्टे, अतिक्रमण हटाने, साफ-सफाई, सड़कों में सुधार, बीपीएल सूची में नाम शामिल करने, खाद्यान्न पर्ची तथा अन्य आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

आवंटन के लिए आवेदन आज तक आमंत्रित

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली से पात्र हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न का वितरण किया जाता है। सेवा सहकारी समिति रघुराजगढ़ द्वारा उचित मूल्य दुकान उलही खुर्द का संचालन छोड़ने के कारण दुकान के संचालन के लिए आवेदन पत्र 10 फरवरी तक आमंत्रित हैं। इस संबंध में एसडीएम मनगवां संजय जैन ने बताया कि दुकान संचालन के लिए केवल उपभोक्ता समिति, विपणन समिति, उत्पादक समिति, संसाधन समिति, बहुप्रयोजन समिति, महिला स्वसहायता समूह तथा संयुक्त वन प्रबंधन समिति आवेदन कर सकती हैं। आवेदन पत्र 10 फरवरी तक एसडीएम कार्यालय मनगवां में जमा किए जा सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।